संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 206
पृष्ठ 8
गुरूवार
16 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

# शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- घर पर बनाएं दिल्ली जैसी...

विचार- नोएडा में क्यों हिंसक हुआ...

खेल- आईपीएल के चलते-फिरते पांच सितारा..

**पीएम मोदी ने विकसित भारत 2047 के लिए पेश किये नौ संकल्प, कहा-**

## जनता को संभालनी होगी कमान

बेंगलुरु,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को विकसित भारत के लिए नौ संकल्प लेने का अनुरोध किया और कहा कि यदि हम सभी इन नौ संकल्पों पर ईमानदारी और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें तो हम विकसित भारत 2047 बनाने की यात्रा में तेजी ला सकते हैं। प्रधानमंत्री ने मांड्या जिले के आदिचुंचनगिरी मठ में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह पहल क्षेत्रीय सीमाओं से परे है और सामूहिक भागीदारी एवं जीवनशैली में बदलाव के लिए राष्ट्रव्यापी आह्वान का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों की व्यक्तिगत आदतें और दैनिक विकल्प देश के भविष्य को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभायेंगे। उन्होंने कहा, यदि हम सभी इन नौ संकल्पों पर ईमानदारी और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें तो हम विकसित कर्नाटक और विकसित भारत की ओर प्रगति को तेज कर सकते हैं। विकास को केवल सरकार संचालित प्रयास के बजाय जन–आंदोलन के रूप में प्रस्तुत करते हुए प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि परिवर्तन की शुरुआत रोजमर्रा के व्यवहार के स्तर से होनी चाहिए।

उन्होंने नदी प्रणालियों पर निर्भर क्षेत्रों में जल संरक्षण को प्रमुख प्राथमिकता बताया, और नागरिकों से सामूहिक प्रतिज्ञा लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, आइए हम सब जल संरक्षण और इसके बेहतर प्रबंधन का संकल्प लें। पर्यावरण स्थिरता पर प्रधानमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण का आह्वान किया। उन्होंने कहा, आइए हम अपनी माताओं के सम्मान में पेड़ लगाएं और धरती मां की रक्षा करें। स्वच्छता को नागरिक कर्तव्य बताते हुए उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों, धार्मिक स्थलों, गांवों और शहरों में साफ–सफाई बनाये रखना साझी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, चाहे वह धार्मिक स्थल हो, सार्वजनिक स्थान हो, गांव हो या शहर, स्वच्छता बनाए रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। आर्थिक आत्मनिर्भरता के संबंध में, प्रधानमंत्री ने घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और भारतीय उद्योगों को समर्थन देने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने वोकल फॉर लोकल दृष्टिकोण को आर्थिक सशक्तीकरण के आधार बताते हुए कहा, आइए हम भारतीय उत्पादों को अपनाएं और अपने उद्योगों को मजबूत करें। उन्होंने राष्ट्रीय जागरूकता और सांस्कृतिक एकीकरण को बढ़ावा देते हुए नागरिकों से देश भर में यात्रा करने और इसकी विविधता को जानने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, आइए हम पूरे भारत की यात्रा करें और घरेलू पर्यटन को बढ़ावा दें। उन्होंने आगे कहा कि लोगों के बीच बेहतर जुड़ाव राष्ट्रीय एकता को मजबूत करेगा और सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को गति देगा। प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य और पोषण पर मोटे अनाज को अपने आहार में शामिल करने पर जोर देते इस बात पर चिंता व्यक्त की कि बढ़ता मोटापा बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बन गयी है। इसके साथ ही नागरिकों से तेल की खपत में 10 फीसदी की कमी का आग्रह किया। कृषि को लेकर उन्होंने किसानों से कहा, आइए हम रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ें। उन्होंने शारीरिक फिटनेस पर और जोर देते हुए कहा, योग, खेल और फिटनेस हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बनना चाहिए।ष उन्होने स्वास्थ्य देखभाल को राष्ट्रीय प्राथमिकता में स्थापित किये जाने की बात कही। इस मौके पर उन्होंने जनसेवा की मजबूत भावना का आह्वान करते हुए कहा, ष्जरूरतमंदों की सेवा समाज को मजबूत करती है और जीवन को बड़ा उद्देश्य देती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये नौ संकल्प एक व्यापक जन–भागीदारी वाले शासन मॉडल का प्रतिनिधित्व करते हैं, जहां नागरिक स्तर पर व्यवहारिक परिवर्तन सामूहिक रूप से राष्ट्रीय परिवर्तन ला सकता है। उन्होंने कहा कि इस तरह की सामूहिक प्रतिबद्धता षविकसित कर्नाटक और विकसित भारतष के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान देगी। इससे पहले दिन में, उन्होंने मांड्या जिले के ऐतिहासिक आदिचुंचनगिरी मठ परिसर में श्श्री गुरु भैरवैक्य मंदिरश का उद्घाटन किया, जो दिवंगत संत श्री बालगांगाधरनाथ स्वामीजी को समर्पित एक नया आध्यात्मिक स्थल है।

**राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बोलीं-**

## तकनीक नहीं ले सकती संवेदनशीलता की जगह

नागपुर,एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नागपुर स्थित एमस के दूसरे दीक्षांत समारोह में युवा डॉक्टरों को नवाचार, शोध और सतत सीखने को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में नैतिक मूल्यों का सर्वोच्च स्थान है और कोई भी तकनीक मानवीय संवेदना की जगह नहीं ले सकती। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि जिज्ञासा ही प्रगति की नींव है। चिकित्सा विज्ञान में नए समाधान खोजने की प्रेरणा डॉक्टरों को न केवल बेहतर पेशेवर बनाएगी, बल्कि सेवा के अधिक अवसर भी प्रदान करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि डॉक्टरों में सेवा भावना के साथ–साथ आजीवन सीखने की प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए। मुर्मू ने स्पष्ट किया कि तकनीक कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, वह करुणा, ईमानदारी और मरीज–केंद्रित दृष्टिकोण का विकल्प नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता बनाए रखें, यही आपको एक अच्छा डॉक्टर ही नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसान भी बनाती है। उन्होंने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य का जिक्र करते हुए कहा कि देश के बेटे–बेटियां मिलकर इस सपने को साकार करेंगे। चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों को मानवता की सेवा का विशेष अवसर मिला है, जिस पर उन्हें गर्व होना चाहिए और इसे संवेदनशीलता के साथ निभाना चाहिए। सरकार की स्वास्थ्य संबंधी पहलों का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने बताया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन कल्याण आरोग्य योजना के तहत 43 करोड़ से अधिक हेल्थ कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिनमें प्रत्येक परिवार को पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर मिलता है। इसके अलावा, देशभर में 1.85 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित कर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया गया है। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने विश्वास जताया कि आज डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र न केवल अपने जीवन में सफलता हासिल करेंगे।

**सीएम योगी बोले**

## निर्यात का हब बनकर उभर रहा यूपी

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपने 34 वर्ष की शानदार यात्रा के दौरान टाटा मोटर्स के लखनऊ प्लांट से 10 लाखवें वाहन को लांच किया गया। 10 लाखवें वाहन की लॉन्चिंग केवल एक प्लांट के उत्पादन की ही उपलब्धि नहीं है बल्कि सप्लाई के लिए यूपी के ग्लोबल हब बनने का सूचक है। यह उड़ान रुकने के लिए नहीं है बल्कि आसमान की ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए है। मुख्यमंत्री योगी बुधवार को टाटा संस के 10 लाखवें वाहन को लॉन्च करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 25 करोड़ की आबादी और 56 फीसदी वर्कफोर्स है। इसका प्रभाव कागजों से बाहर आकर जमीन पर भी देखने को मिल रहा है। टाटा मोटर्स में बनने वाली बसों में हमने बचपन से यात्राएं की हैं। लोगों ने टाटा का मतलब ट्रस्ट के साथ जोड़ा है। सुई से लेकर हवाई जहाज तक हर क्षेत्र में टाटा समूह भारत को सशक्त बनाने के अभियान में लगातार आगे बढ़ रहा है। टाटा का निवेश केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं है बल्कि उत्तर प्रदेश को एक नई ऊंचाई तक पहुंचाने का समझौता है। पहले तमाम चुनौतियां थीं कि कनेक्टिविटी अच्छी नहीं थी। संसाधन कम थे। यह तय कर पाना कठिन होता था कि सड़क है या गड्ढा है। सुरक्षा का संकट था। न तो नियत साफ थी और ना ही कोई नीति थी। परिणाम ये था कि लोग निवेश करने से डरते थे। आज भारत के कुल एक्सप्रेसवे का 55 फीसदी एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश में है। गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण इसी महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों होगा। 600 किलोमीटर का एक्सप्रेसवे बनने के बाद देश के कुल एक्सप्रेस वे में उत्तर प्रदेश का योगदान 60 फीसदी हो जाएगा। आज से 9 वर्ष पहले उत्तर प्रदेश में केवल दो एयरपोर्ट थे और वो भी बंद पड़े थे।

**कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने केंद्र को घेरा, कहा-**

## दक्षिण भारत की आवाज दबाने की है साजिश

कोयंबटूर,एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया को लेकर केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया कि अगर यह लागू होती है, तो लोकसभा में दक्षिण भारतीय राज्यों की राजनीतिक ताकत काफी कम हो जाएगी और उनकी आवाज को दबा दिया जाएगा। चिदंबरम ने कहा कि केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में बेहतरीन काम किया है, लेकिन अब इसी सफलता को उनके खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परिसीमन के बाद उत्तर भारत की सीटों में भारी बढ़ोतरी होगी, जबकि दक्षिण के राज्यों का प्रतिनिधित्व उस अनुपात में नहीं बढ़ेगा। चिदंबरम के मुताबिक, तमिलनाडु की सीटें भले ही 39 से बढ़कर 58 हो जाएं, लेकिन कुल सीटों के अनुपात में दक्षिण भारत का हिस्सा पहले से कम हो जाएगा, जिससे दिल्ली की राजनीति में उनकी पकड़ कमजोर होगी। चिदंबरम ने विशेष संसद सत्र को एक सुनियोजित साजिश बताया है। उन्होंने तर्क दिया कि इस समय तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार जोरों पर है। ऐसे में इन राज्यों के सांसद संसद की कार्यवाही में शामिल नहीं हो पाएंगे। उन्होंने सवाल उठाया, श्आखिर ऐसी क्या इमरजेंसी है कि चुनाव के बीच ही सत्र बुलाया गया? क्या चुनाव खत्म होने तक का इंतजार नहीं किया जा सकता था? चिदंबरम ने एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पादी पलानीस्वामी पर भी निशाना साधा। उन्होंने हैरानी जताई कि पलानीस्वामी ने अमित शाह के उस आश्वासन पर भरोसा कर लिया कि परिसीमन से तमिलनाडु पर कोई असर नहीं पड़ेगा। कांग्रेस नेता ने सभी राजनीतिक दलों और जनता से इस बिल का पुरजोर विरोध करने की अपील की। गौरतलब है कि इसी विशेष सत्र में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक भी पेश किए जाने की संभावना है। चिदंबरम ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि संसद में महंगाई, पेट्रोल–डीजल और गैस की बढ़ती कीमतों जैसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा नहीं होती, तो फिर ऐसे सत्रों का क्या औचित्य? उन्होंने मांग की कि परिसीमन प्रक्रिया को तब तक रोका जाए जब तक सभी राज्यों की चिंताओं का समाधान न हो जाए। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने केंद्र की परिसीमन योजना का विरोध करते हुए कहा है कि इससे दक्षिण भारतीय राज्यों का लोकसभा में प्रभाव कम हो जाएगा। उन्होंने चुनाव के दौरान संसद सत्र बुलाने को एक साजिश बताया है।

### ऊर्जा संकट पर भारत का सख्त रुख-जयशंकर

आईएएनएस, नई दिल्ली/टोक्यो,एजेंसी। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर भारत का डंका बजाया है। जापान की ओर से आयोजित AZEC-Plus यानी एशिया जीरो एमिशन कम्युनिटी की आभासी बैठक में जयशंकर ने कहा कि व्यापारिक जहाजों पर होने वाले हमले किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं हैं। इस बैठक का मुख्य एजेंडा ऊर्जा बाजारों में मची उथल–पुथल और आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली बाधाओं पर चर्चा करना था। जयशंकर ने साफ–साफ कहा कि भारत समुद्री व्यापार के सुरक्षित और निर्बाध रास्तों का पुरजोर समर्थन करता है। बैठक के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए विदेश मंत्री ने लिखा, जापान की ओर से आयोजित एशिया जीरो एमिशन कम्युनिटी की बैठक में हिस्सा लिया। मैंने स्पष्ट किया है कि मर्चेंट शिपिंग यानी व्यापारिक जहाजों पर हमले पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं।

**मल्लिकार्जुन खरगे बोले-**

## नीयत में खोट है, यह सिर्फ चुनावी पैंतरा

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी दलों की बैठक के बाद केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि तमाम विपक्षी दल महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन सरकार जिस तरह से इसे लागू करने की योजना बना रही है, वह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित और जनता को गुमराह करने वाला कदम है। मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी दलों की बैठक के बाद कहा, श्हम सभी महिला आरक्षण बिल के पक्ष में हैं, लेकिन सरकार जिस तरह से इसे लेकर आई है, वह राजनीति से प्रेरित है। हमने हमेशा इस बिल का समर्थन किया है, लेकिन हमारा आग्रह है कि पुराने संशोधनों को लागू किया जाए। सरकार परिसीमन और जनगणना के नाम पर चालें चल रही है। कार्यपालिका के जरिए संविधान की उन शक्तियों को हथिया रही है जो संसद और संस्थाओं के पास होनी चाहिएय इन्होंने पहले भी असम और जम्मू–कश्मीर के परिसीमन में हमें धोखा दिया है। इसलिए हम इस बिल के मौजूदा स्वरूप का एकजुट होकर संसद में विरोध करेंगे। वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, श्महिला आरक्षण को तुरंत लागू किया जाना चाहिए और हम इसके समर्थन में हैं, लेकिन हम इस बिल के साथ जोड़ी गई परिसीमन की प्रक्रिया के पूरी तरह खिलाफ हैं। उनका कहना है कि आरक्षण को परिसीमन और जनगणना की शर्तों में उलझाना सरकार की एक सोची–समझी चाल है, जिससे इस अधिकार को लंबे समय तक टाला जा सके, इसलिए विपक्ष महिलाओं को हक देने का तो पक्षधर है लेकिन सरकार के इस तरीके का पुरजोर विरोध करता है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का मुख्य उद्देश्य लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करना है, जिससे राजनीति में उनकी भागीदारी बढ़ सके। हालांकि, सरकार ने इस बिल के लागू होने के लिए दो बड़ी शर्तें जोड़ दी हैं। पहली यह कि पहले देश में नई जनगणना होगी और दूसरी यह कि उसके आधार पर सीटों का नया परिसीमन किया जाएगा। विपक्ष का कहना है कि इन पेचीदा शर्तों के कारण यह कानून अगले कई वर्षों तक जमीन पर नहीं उतर पाएगा, जिससे महिलाओं को मिलने वाला अधिकार लंबे वक्त के लिए टल गया है।

### हिम्मत है तो अपना पासपोर्ट दिखाएं- बिस्वा

नई दिल्ली,एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को पासपोर्ट विवाद में रिनिकी भुयान सरमा द्वारा दर्ज एफआईआर के संबंध में दी गई एक सप्ताह की ट्रांजिट जमानत पर रोक लगाने के फैसले का स्वागत किया। जब उनसे कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा हिमंता की पत्नी रिनिकी भुयान सरमा के खिलाफ कई पासपोर्टों के आरोपों की जांच की मांग के बारे में पूछा गया, तो मुख्यमंत्री ने लोकसभा में विपक्ष के नेता से सार्वजनिक रूप से अपना पासपोर्ट दिखाने को कहा। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि मेरे अनुसार, तेलंगाना कोर्ट ट्रांजिट जमानत नहीं दे सकता क्योंकि वह तेलंगाना के निवासी नहीं हैं। कानून अपना काम करेगा... अगर मैं उन पर ऐसे आरोप लगाऊं तो क्या वह यही कहेंगे? बोलने से उनको याद रखना चाहिए कि वह भगवान नहीं हैं।

**अरविंद केजरीवाल का गंभीर आरोप**

## जज के बच्चों को केस देते हैं सीबीआई के वकील, मुझे न्याय कैसे मिलेगा

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक अतिरिक्त हलफनामा दायर कर उत्पाद शुल्क नीति मामले में सीबीआई द्वारा बरी किए जाने के खिलाफ दायर अपील की सुनवाई से न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को हटाने की अपनी मांग को दोहराया है। उन्होंने तर्क दिया है कि न्यायाधीश के बच्चे केंद्र सरकार के पैनल में शामिल हैं और उन्हें सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता द्वारा मामले आवंटित किए जाते हैं, जो एजेंसी की ओर से अपील लड़ रहे हैं। न्यायमूर्ति शर्मा द्वारा आवेदनों पर अपना फैसला सुरक्षित रखने के एक दिन बाद दायर हलफनामे में, केजरीवाल ने कहा कि उनका बेटा सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष केंद्र का प्रतिनिधित्व करने वाले ग्रुप ए वकील के रूप में सूचीबद्ध है, जबकि उनकी बेटी सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष केंद्र का प्रतिनिधित्व करने वाली ग्रुप सी वकील के रूप में सूचीबद्ध है और दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष केंद्र के लिए वकील के रूप में भी कार्य करती है। उन्होंने आगे कहा कि दोनों को मामले सॉलिसिटर जनरल द्वारा सौंपे गए हैं जो न्यायमूर्ति शर्मा के समक्ष मामले से खुद को अलग करने की याचिका का विरोध कर रहे हैं और इस मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मंगलवार को दायर हलफनामे में कहा गया है कि इस स्थिति से उत्पन्न होने वाले पक्षपात की आशंका प्रत्यक्ष, गंभीर और अनदेखी नहीं की जा सकती, क्योंकि वही विधि अधिकारी और कानूनी संस्था जो न्यायाधीश के समक्ष सीबीआई का प्रतिनिधित्व कर रही है, वह उस संस्थागत ढांचे का भी हिस्सा है जो उनके बच्चों को सरकारी कार्य और मामले सौंपने के लिए जिम्मेदार है। हलफनामे में कहा गया है कि मैं यह निवेदन करता हूँ कि वर्तमान मामले में, भारत के माननीय सॉलिसिटर जनरल, जो केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से इस माननीय न्यायालय के समक्ष उपस्थित हो रहे हैं, मेरे मामले से हटने के आवेदन का विरोध कर रहे हैं और मेरे पक्ष में पारित किए गए दोषमुक्ति आदेश के विरुद्ध पुनरीक्षण याचिका पर बहस कर रहे हैं।

## पूर्व मंत्री के समधी के घर लाखों की चोरी, 18 लाख के आभूषण और ढाई लाख कैश ले गए चोर

प्रयागराज। बसपा शासनकाल में मंत्री रहे बाबूलाल भंवरा के समधी कमलाशंकर सरोज के झूंसी स्थित मकान में लाखों की चोरी हो गई। झूंसी के हवेलिया स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर चोरों ने तकरीबन 18 लाख के आभूषण और ढाई लाख रुपए कैश पार कर दिया। बसपा शासनकाल में

मंत्री रहे बाबूलाल भंवरा के समधी कमलाशंकर सरोज के झूंसी स्थित मकान में लाखों की चोरी हो गई। झूंसी के हवेलिया स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर चोरों ने तकरीबन 18 लाख के आभूषण और ढाई लाख रुपए कैश पार कर दिया। कमलाशंकर लोक निर्माण विभाग के ठेकेदार हैं। पिछले दिनों इनके पिता का निधन हो गया था। 12 अप्रैल को झूंसी के मकान पर ताला बंद कर पैतृक निवास प्रतापपुर चले गए थे। बुधवार को घर लौटने पर घटना की जानकारी हुई। थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी है। एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। पुलिस छानबीन की बात कह रही है।

## रामपुर के बीईओ स्वदीप कनौजिया निलंबित, लापरवाही में पाए गए दोषी

प्रयागराज। सूत्रों के अनुसार स्वदीप कनौजिया के कार्य व्यवहार को लेकर पहले भी शिकायतें मिली थीं। मार्च माह में रामपुर के जिलाधिकारी ने उनके अनुपस्थित रहने और विभागीय कार्यों में अनावश्यक देरी पर नाराजगी जताई थी। रामपुर जिले में खंड शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) स्वदीप कनौजिया को गंभीर लापरवाही और अनुशासनहीनता के आरोपों में निलंबित कर दिया है। जांच में उनके खिलाफ लगाए गए आरोप बिना सूचना के कार्यालय से अनुपस्थित रहने, उच्चाधिकारियों के आदेशों का पालन न करने, विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने और पदीय दायित्वों का निर्वहन न करने के आरोप सही पाए गए। सूत्रों के अनुसार स्वदीप कनौजिया के कार्य व्यवहार को लेकर पहले भी शिकायतें मिली थीं। मार्च माह में रामपुर के जिलाधिकारी ने उनके अनुपस्थित रहने और विभागीय कार्यों में अनावश्यक देरी पर नाराजगी जताई थी। इसके बाद बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) रामपुर ने 15 मार्च को पत्र भेजकर अवगत कराया कि स्वार के बीईओ के स्थानांतरण के बाद स्वदीप कनौजिया को अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। लेकिन उन्होंने इसका अनुपालन नहीं किया। इससे पहले तत्कालीन बीएसए एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) की प्राचार्य नीलम रानी टम्टा ने 31 जनवरी 2025 को चमरौआ का अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा था। जिसे भी उन्होंने ग्रहण नहीं किया। इसके अलावा शिक्षकों की जांच में लीपापोती करने सहित अन्य गंभीर आरोप भी सामने आए। अपर शिक्षा निदेशक (बेसिक) कामता राम पाल ने बताया कि विस्तृत जांच के बाद आरोपों की पुष्टि होने पर स्वदीप कनौजिया को निलंबित कर दिया गया है। प्रदेश में पहले से ही 14 खंड शिक्षा अधिकारी विभिन्न आरोपों के चलते निलंबित चल रहे हैं। इन पर शिक्षकों को प्रताड़ित करने, अवकाश के नाम पर वसूली, विभागीय आदेशों की अनदेखी और भ्रष्टाचार जैसे आरोप हैं। निदेशालय स्तर पर बड़ी संख्या में बीईओ के खिलाफ जांच लंबित है। जिलों में बीएसए के आदेशों के अनुपालन में लापरवाही और शिक्षकों के साथ कथित साठगांठ के मामले भी सामने आते रहे हैं। बावजूद इसके, कई मामलों में कार्रवाई में हो रही देरी विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है।

## लकड़ी के चूल्हे पर मिड-डे मील बनाने के मामले में प्रधानाध्यापक के निलंबन पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी के एक प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक के निलंबन आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। साथ ही मामले में दो महीने के भीतर जांच पूरी करने का आदेश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी के एक प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक के निलंबन आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। साथ ही मामले में दो महीने के भीतर जांच पूरी करने का आदेश दिया है। अधिकारियों को एक सप्ताह में चार्जशीट उपलब्ध कराने और प्रधानाध्यापक को जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकल पीठ ने राकेश तिवारी की याचिका पर दिया है। मामला मिड-डे मील के लिए लकड़ी के चूल्हे के उपयोग और इस संबंध में मीडिया में कथित बयानबाजी के आरोप से जुड़ा है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने 19 मार्च 2026 को एक आदेश पारित कर प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया था। विभाग का आरोप था कि दो गैस सिलिंडर उपलब्ध होने के बावजूद स्कूल में खाना लकड़ी के चूल्हे पर बनाया जा रहा था, जो सरकारी नियमों के विरुद्ध है। याची ने निलंबन आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची के अधिवक्ता सरोज यादव ने दलील दी कि प्रधानाध्यापक ने मीडिया को ऐसा कोई बयान नहीं दिया था, जिससे विभाग की छवि खराब हो।

गैस की किल्लत के कारण लकड़ी के चूल्हे का सहारा लेना पड़ा था। निलंबन का यह आदेश 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-1999' के नियम 4 का उल्लंघन है। क्योंकि, लगाए गए आरोप इतने गंभीर नहीं हैं कि उनके लिए निलंबन जैसा कदम उठाया जाए। बीएसए के वकील ने स्वीकार किया कि गैस सिलिंडर की कमी की स्थिति थी, जिसके कारण याचिकाकर्ता के पास लकड़ी का उपयोग करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि जब तक मामले की जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक 19 मार्च के निलंबन आदेश का प्रभाव और संचालन स्थगित रहेगा।

## केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में 3003 पदों पर आवेदन शुरू, यह हैं नियम और शर्ते

प्रयागराज। एसएससी ने सिलेक्शन पोस्ट फेज-14 भर्ती 2026 के तहत विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके माध्यम से केंद्र सरकार के अलग-अलग मंत्रालयों, विभागों और कार्यालयों में 3,003 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। भर्ती में मैट्रिक, इंटरमीडिएट और स्नातक स्तर के पद शामिल हैं। एसएससी ने सिलेक्शन पोस्ट फेज-14 भर्ती 2026 के तहत विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके माध्यम से केंद्र सरकार के अलग-अलग मंत्रालयों, विभागों और कार्यालयों में 3,003 पदों पर नियुक्ति की जाएगी।

# चार दशक पुराने हत्या के मामले में दो बरी, ट्रायल कोर्ट के फैसले को दी थी चुनौती

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शाहजहांपुर के चार दशक पुराने हत्या के मामले में चेतराम और रामेश्वर को बरी कर दिया है। साथ ही सत्र न्यायालय के 29 अप्रैल 1987 को सुनाए गए आजीवन कारावास के फैसले को रद्द कर दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शाहजहांपुर के चार दशक पुराने हत्या के मामले में चेतराम और रामेश्वर को बरी कर दिया है। साथ ही सत्र न्यायालय के 29 अप्रैल 1987 को सुनाए गए आजीवन कारावास के फैसले को रद्द कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति चंद्र धारी सिंह और न्यायमूर्ति देवेंद्र सिंह-प्रथम की खंडपीठ ने दिया। शाहजहांपुर में 18 अगस्त 1986 को बरौरा गांव में जमीन के विवाद और कर्ज की वसूली को लेकर दो पक्षों के बीच लाठियां चली थीं। अभियोजन पक्ष के अनुसार रामेश्वर व उसके साथियों ने

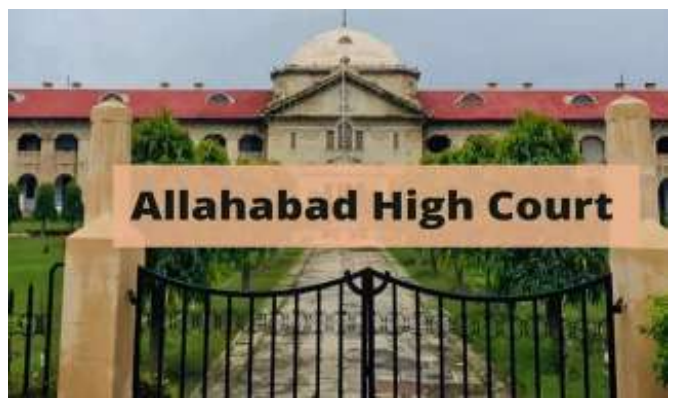


राजपाल के घर पर हमला किया था। इसमें राजपाल की मौत हो गई थी।

बचाव पक्ष का तर्क था कि राजपाल और उसके साथियों ने पहले हमला किया और आरोपियों ने आत्मरक्षा में लाठियां चलाईं। ट्रायल कोर्ट ने चेतराम, रामेश्वर व अन्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई तो फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर की गई। कोर्ट ने पाया कि मामले में क्रॉस-केस की स्थिति थी, जिसे ट्रायल कोर्ट ने सही परिप्रेक्ष्य में नहीं देखा। अभियोजन पक्ष ने प्राथमिकी दर्ज करने में 15 घंटे से अधिक की देरी की।

इसके लिए दिया गया स्पष्टीकरण विश्वसनीय नहीं था। इसके विपरीत आरोपियों ने घटना के महज चार घंटे के भीतर अपनी रिपोर्ट दर्ज करा दी थी। कोर्ट ने पाया कि ट्रायल कोर्ट ने आरोपियों को लगी चोटों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया और उनके बयानों को गलत तरीके से पढ़ा। इन विसंगतियों के आधार पर हाईकोर्ट ने अपील स्वीकार करते हुए दोनों आरोपियों को बरी कर दिया और उनके जमानत बॉन्ड निरस्त करने का आदेश दिया।

# संदेह कितना भी गहरा हो, सुबूत का स्थान नहीं ले सकता, उम्रकैद की सजा पाए चार दोषी बरी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि संदेह कितना भी गहरा हो, सुबूत का स्थान नहीं ले सकता। अभियोजन की कहानी में फावड़ा-हंसिया और खुरपी जैसे हथियारों की बरामदगी हो, वहां गर्दन पर महज एक चोट से घटना की विश्वसनीयता संदिग्ध हो जाती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि संदेह कितना भी गहरा हो, सुबूत का स्थान नहीं ले सकता। अभियोजन की कहानी में फावड़ा-हंसिया और खुरपी जैसे हथियारों की बरामदगी हो, वहां गर्दन पर महज एक चोट से घटना की विश्वसनीयता संदिग्ध हो जाती है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति चंद्रधारी सिंह और न्यायमूर्ति देवेंद्र सिंह प्रथम की खंडपीठ ने 38 साल पहले हुई एक बच्चे की हत्या के दोषी राम प्रकाश, रमेश, जगदीश और राम संजीवन को मिली उम्रकैद की सजा से बरी कर दिया।

मामला जालौन के आटा थाना क्षेत्र का है। आरोप था कि आरोपियों में सितंबर 1988 में भद्रेखी गांव निवासी 12 वर्षीय बालक लक्ष्मी का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी।

अभियोजन की कहानी के मुताबिक बालक मवेशी चराने खेत गया था। इसी दौरान दो पक्षों में विवाद में आरोपी पक्ष ने घटना का अंजाम भुगतने की धमकी दी थी। इसके बाद लापता बालक का शव मिला। 17 अक्तूबर 1989 को ट्रायल कोर्ट ने राम प्रकाश, रमेश, जगदीश, रामसजीवन, मट्टी, दलचंद और तुलसी राम को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ सभी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि अभियोजन पक्ष परिस्थितियों की अटूट श्रृंखला को साबित करने में विफल रहा। चिकित्सा साक्ष्य में विरोधाभास मिला। बरामद हथियारों पर मौजूद खून की कोई फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट पेश नहीं की गई थी। अपील के दौरान मट्टी, दल चंद और तुलसी राम की मौत ही गई। लिहाजा, बाकी बचे चारों अपीलार्थियों को हाईकोर्ट ने 38 साल बाद बेगुनाह करार दिया।

# युवक को डिजिटल अरेस्ट कर 16 लाख की साइबर ठगी, राष्ट्रीय सुरक्षा का बताया दोषी

प्रयागराज। साइबर ठगों ने एक युवक को डिजिटल अरेस्ट कर उसके खाते से 16 लाख रुपये ठग लिए। ठगों ने पीड़ित राष्ट्रीय सुरक्षा के गंभीर मामले का दोषी बता कर डिजिटल अरेस्ट कर वारदात को अंजाम दिया है।

साइबर ठगों ने एक युवक को डिजिटल अरेस्ट कर उसके खाते से 16 लाख रुपये ठग लिए। ठगों ने पीड़ित राष्ट्रीय सुरक्षा के गंभीर मामले का दोषी बता कर डिजिटल अरेस्ट कर वारदात को अंजाम दिया है। राजरूपपुर निवासी लक्ष्मी कांत तिवारी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 24 मार्च 2026 को कॉल बताया कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी के गंभीर केस में फंस गया है। इसके बाद ठगों ने पीड़ित को डिजिटल अरेस्ट कर कहा कि ऑनलाइन माध्यम से अपने सभी म्यूचुअल फंड और एफडी की रकम एक सुरक्षित खाते में ट्रांसफर कर दे।

इस पर पीड़ित ने अलग तारीखों में कुल 16 लाख रुपये तीन किश्तों में ट्रांसफर कर दिए। जिनमें 25 मार्च को 3 लाख, 27 मार्च को 4 लाख और 30 मार्च को 9 लाख रुपये शामिल है।

बाद में जब उसे ठगी का एहसास हुआ तो उसने साइबर पुलिस को सूचना देकर एफआईआर दर्ज कराई है। साइबर पुलिस ने खातों और मोबाइल नंबरों के आधार पर प्रकरण की जांच शुरू कर दी है।

साइबर पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि डिजिटल अरेस्ट साइबर ठगी का नया तरीका है, जिसमें ठग वीडियो कॉल या फोन के जरिए लोगों को डराकर उन्हें अपने नियंत्रण में रखते हैं और पैसे ट्रांसफर करा लेते हैं।

साइबर पुलिस ने लोगों से अपील की है कि ऐसे किसी भी कॉल से सतर्क रहें और संदिग्ध फोन कॉल होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें।

## 18 और 19 अप्रैल को 53 केंद्रों पर होगी असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा, सारी तैयारियां पूरी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। 18 और 19 अप्रैल को आयोजित होने वाली इस परीक्षा में प्रदेश के छह प्रमुख शहरों प्रयागराज, वाराणसी, आगरा, गोरखपुर, लखनऊ व मेरठ के 53 परीक्षा केंद्रों पर कुल 82,876 अभ्यर्थी शामिल होंगे। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। 18 और 19 अप्रैल को आयोजित होने वाली इस परीक्षा में प्रदेश के छह प्रमुख शहरों प्रयागराज, वाराणसी, आगरा, गोरखपुर, लखनऊ व मेरठ के 53 परीक्षा केंद्रों पर कुल 82,876 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा 18 अप्रैल को दो पालियों में आयोजित की जाएगी।

# गलत वेतन भुगतान की सेवानिवृत्ति के बाद वसूली अवैध, एक्सईएन का आदेश रद्द, राशि लौटाने का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों से गलत वेतन निर्धारण के आधार पर की गई वसूली को अवैध ठहराते हुए अधिशासी अभियंता के आदेश को रद्द कर दिया है। कहा है कि याचियों के परिलाभों से काटी गई रकम एक माह के भीतर वापस की जाए। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों से गलत वेतन निर्धारण के आधार पर की गई वसूली को अवैध ठहराते हुए अधिशासी अभियंता के आदेश को रद्द कर दिया है। कहा है कि याचियों के परिलाभों से काटी गई रकम एक माह के भीतर वापस की जाए। साथ ही कोर्ट ने कहा कि तय समय में भुगतान न होने पर 70 प्रतिशत ब्याज के साथ राशि लौटानी होगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया ने सतीष कुमार और

किरणपाल सिंह की याचिका स्वीकार करते हुए दिया। कोर्ट ने बुलंदशहर मध्य गंगा नहर निर्माण खंड के अधिशासी अभियंता की ओर से 16 जनवरी 2026 को पारित उस आदेश को निरस्त कर दिया, जिसके तहत याचियों के देय से क्रमशः 8,29,890 रुपये और 12,57,370 रुपये की कटौती की गई थी।

याचियों की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि अधिक भुगतान विभाग की ओर से गलत वेतन निर्धारण का परिणाम था। इसमें याचियों की कोई भूमिका नहीं थी। ऐसे में विभाग अपनी गलती का दंड कर्मचारियों पर नहीं डाल सकता। कोर्ट ने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद इस प्रकार की वसूली सुप्रीम कोर्ट के रफीक मसीह मामले के निर्णय के विपरीत है। हालांकि, कोर्ट ने राज्य सरकार को यह छूट दी है कि यदि यह पाया जाता है कि याचियों ने किसी प्रकार की गलत जानकारी देकर लाभ प्राप्त किया है तो वह दो माह में आदेश को वापस लेने के लिए आवेदन कर सकती है।

## गंगा में नाव पर इफ्तार पार्टी करने व बिरयानी के अवशेष फेंकने के आरोपी जमानत के लिए पहुंचे हाईकोर्ट

प्रयागराज। वाराणसी में नाव पर इफ्तार पार्टी करने और बिरयानी के अवशेष गंगा में फेंकने के मामले के आरोपियों ने जमानत के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में अर्जी दायर की है। ट्रायल कोर्ट ने जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। वाराणसी में नाव पर इफ्तार पार्टी करने और बिरयानी के अवशेष गंगा में फेंकने के मामले के आरोपियों ने जमानत के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में अर्जी दायर की है। ट्रायल कोर्ट ने जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। आजाद, अली, मोहम्मद तहसीम, निहाल अफरीदी, मोहम्मद तौसीफ अहमद और मोहम्मद अनस ने इलाहाबाद हाईकोर्ट से गुहार लगाई है। जमानत अर्जी पर 15 अप्रैल को न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा की एकल पीठ ने सुनवाई करेगी। रमजान के महीने में 16 मार्च को वाराणसी के पंचगंगा घाट के पास नाव पर इफ्तार पार्टी की गई थी। आरोप है कि इन लोगों ने बिरयानी खाकर उसके अवशेष गंगा में फेंक दिए थे। भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष रजत जायसवाल ने कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने 14 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। एक अप्रैल को वाराणसी के अपर सत्र न्यायाधीश आलोक कुमार की अदालत ने सभी की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। पुलिस की विवेचना में यह भी सामने आया कि आरोपी चालक को धमकाकर नाव गंगा में लेकर गए थे। बयान के आधार पर पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 308(5) बढ़ाई थी। वाराणसी में नाव पर इफ्तार पार्टी करने और बिरयानी के अवशेष गंगा में फेंकने के मामले के आरोपियों ने जमानत के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में अर्जी दायर की है। ट्रायल कोर्ट ने जमानत अर्जी खारिज कर दी थी।

## एससी-एसटी एक्ट मामले की कार्यवाही पर लगाई रोक, विपक्षी पार्टी से सप्ताह में मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट में लंबित आपराधिक मामले की कार्यवाही पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की एकल पीठ ने प्रयागराज निवासी गणेश प्रसाद मौर्य व 10 अन्य की आपराधिक अपील पर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट में लंबित आपराधिक मामले की कार्यवाही पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की एकल पीठ ने प्रयागराज निवासी गणेश प्रसाद मौर्य व 10 अन्य की आपराधिक अपील पर दिया है। अपीलकर्ताओं के खिलाफ एसएसी/एसटी एक्ट व अन्य आरोपों में एफआईआर दर्ज कराई गई है। आरोप है कि इन लोगों ने विपक्षी की खरीदी गई विवादित भूमि पर बनी दीवार गिरा दी और वहां से निर्माण सामग्री चोरी कर ली। ट्रायल कोर्ट की ओर से जारी संज्ञान आदेश सहित पूरी कार्यवाही रद्द करने की मांग कर आरोपियों ने हाईकोर्ट में अपील दायर की।

अपीलकर्ताओं के वकील ने दलील दी कि उक्त मामला पूरी तरह से दीवानी (सिविल) प्रकृति का है। भूमि से संबंधित एक वाद पहले से ही सिविल कोर्ट में लंबित है। एससी/एसटी एक्ट की धाराओं के तहत कोई अपराध नहीं बनता है। क्योंकि, सार्वजनिक स्थान पर जातिगत शब्दों के इस्तेमाल का कोई प्रमाण नहीं है। कोर्ट ने विशेष न्यायाधीश की ओर से जारी संज्ञान व समन आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। विपक्षी पार्टी को जवाब दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया है।

## ट्रायल में पानी टंकी फेल, 12 साल बाद कनेक्शन-मोटर के नाम पर खेल

प्रयागराज। मलाकराज वार्ड-13 के बैरहना में पानी की टंकी ट्रायल में भले ही फेल हो गई हो, लेकिन 12 साल बाद जलकल विभाग ने मोटर व कनेक्शन के नाम पर खेल कर दिया। पार्षद व स्थानीय लोगों को आरोप है कि चू रही टंकी को नजरअंदाज कर लाखों का बजट पास करा लिया गया। मलाकराज वार्ड-13 के बैरहना में पानी की टंकी ट्रायल में भले ही फेल हो गई हो, लेकिन 12 साल बाद जलकल विभाग ने मोटर व कनेक्शन के नाम पर खेल कर दिया। पार्षद व स्थानीय लोगों को आरोप है कि चू रही टंकी को नजरअंदाज कर लाखों का बजट पास करा लिया गया। बैरहना के पुरुष पार्क के पास वर्ष 2012 में दो करोड़ रुपये की लागत से सीएनडीएस संस्था ने टंकी का निर्माण किया। इसके जरिये करीब 10 हजार से अधिक आबादी को पेयजल आपूर्ति होनी थी। मानकों के विपरीत बनी टंकी ट्रायल के दौरान फेल हो गई। उसमें लीकेज की समस्या पाई गई। काफी प्रयास के बाद समस्या दूर नहीं हो सकी तो टंकी उसी हालत में छोड़ दी गई थी। .ऐसी स्थिति में मिनी नलकूप के जरिये लोगों को पेयजल आपूर्ति की जाने लगी। वहीं, 2024 में महाकुंभ-2025 के बजट के तहत मोटर लगाकर टंकी में कनेक्शन दे दिया गया। इसका स्थानीय पार्षद व लोगों ने विरोध किया था पर बजट के चक्कर में क्षतिग्रस्त पानी की टंकी में कनेक्शन दे दिया गया।आईईआरटी के पूर्व लेक्चरर व स्थानीय निवासी एसके शर्मा ने बताया कि टंकी बनाते समय 3-6 की जगह 3-1 की बालू-सीमेंट के मसाले का इस्तेमाल किया गया। कंक्रीट बिना धोए ढलाई में इस्तेमाल की गई। थर्ड क्वालिटी की सरिया का इस्तेमाल किया गया। इसकी वजह टंकी चूने लगी और पानी स्टोर करने में फेल हो गई।

टंकी वर्ष 2012 में बनकर तैयार हुई। ट्रायल के दौरान लीकेज पाया गया, फिर टंकी को बिना पानी भरे छोड़ दिया गया। ऐसे में 12 साल बाद क्षतिग्रस्त टंकी में मोटर लगाने और कनेक्शन देने का क्या मतलब है। - आकाश सोनकर, पार्षद मलाकराज

मामला मेरी जानकारी में नहीं है। ऑफिस खुलने के बाद ही कुछ बता पाऊंगा। -कुमार गौरव, महाप्रबंधक, जलकल विभाग

ऐसा है तो मामले की जांच कराई जाएगी। पानी की टंकी को ठीक करने का प्रयास किया जाएगा। -गणेश केसरवानी, महापौर

## एलटी ग्रेड- संस्कृत विषय मुख्य परीक्षा के 173 अभ्यर्थन निरस्त, शर्ते पूरा न करने पर हुई कार्रवाई

प्रयागराज। लोक सेवा आयोग ने सहायक अध्यापक प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी परीक्षा-2025 के संस्कृत विषय के मुख्य परीक्षा के आवेदन पत्र की शर्त पूरा नहीं करने पर 173 अभ्यर्थी का अभ्यर्थन निरस्त कर दिया हैं। लोक सेवा आयोग ने सहायक अध्यापक प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी परीक्षा-2025 के संस्कृत विषय के मुख्य परीक्षा के आवेदन पत्र की शर्त पूरा नहीं करने पर 173 अभ्यर्थी का अभ्यर्थन निरस्त कर दिया हैं। अभ्यर्थी इसके खिलाफ 17 अप्रैल तक लोक सेवा आयोग परीक्षा - 6 अनुभाग में अपील कर सकते हैं। लोक सेवा आयोग के अनुसार 113 प्रकरण ऐसे हैं। जिसमें अभ्यर्थी ने मुख्य परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्डकापी, समस्त शैक्षिक अभिलेखों को अंतिम तिथी 18 मार्च तक आयोग कार्यालय में उपलब्ध नहीं कराया। वहीं अनिवार्य शैक्षिक अर्हता धारित न करने के कारण तीन, विशिष्ट अध्यापक स्पर्श दृष्टि बाधित में उत्तीर्ण किंतु शैक्षिक अर्हता धारित नहीं करने के कारण 10, डीएफएफ का प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं कराने पर 19 समेत अन्य अभ्यर्थी के अलग- अलग कारणों से अभ्यर्थन निरस्त कर दिए गए हैं।

## संक्षिप्त

### सीएमएस में स्पेस फेस्टिवल-2026 का आगाज,अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने 30 हजार छात्रों से किया संवाद

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के सिटी मॉन्टेसरी स्कूल (सीएमएस) में आज स्पेस फेस्टिवल-2026 का भव्य आगाज हुआ। इस मौके पर भारतीय अंतरिक्ष यात्री और स्कूल के एलुमनाई शुभांशु शुक्ला भी मौजूद रहे, जिन्होंने करीब 30 हजार छात्रों से संवाद किया। कार्यक्रम के दौरान इंडियाज स्पेस फ्यूचर पर कई एक्सपर्ट ने बातचीत की। यह पहला अवसर था जब इतने बड़े स्तर पर इस तरह का स्पेस फेस्टिवल आयोजित हुआ। सीएमएस के कानपुर रोड ऑडिटोरियम में शुभांशु शुक्ला सुबह करीब साढ़े 10 बजे पहुंचे। यहां 30,000 छात्रों से संवाद के दौरान अपनी अंतरिक्ष यात्रा के विभिन्न पहलुओं को उजागर करने के साथ ही छात्रों की जिज्ञासाओं का समाधान करेंगे। ऋषि ने बताया कि अंतरिक्ष क्षेत्र में भावी पीढ़ी के रूझान को बढ़ाने के लिए एक पैनल डिस्कशन का भी आयोजन भी किया जा रहा है। जिसमें प्रमुख नेहा जैन, आईआईटी लखनऊ के डायरेक्टर डा.अरुण मोहन शैरी, आईआईटी कानपुर के प्रो.नितिन सक्सेना और सीएमएस प्रबंधक प्रो.गीता गांधी किंगडन मौजूद रहेंगी। सीएमएस स्टेशन रोड के छात्रों के सवाल पर उन्होंने कहा कि अगर उस यात्रा में कोई बदलाव करने का मौका मिले, तो वे और बेहतर प्लानिंग के साथ जाना चाहेंगे। आईएसएस पर तिरंगा फहराना को लेकर शुभांशु शुक्ला ने उसे अपनी स्पेस की सबसे खास जर्नी बताया। सीएमएस स्टेशन रोड के छात्रों के सवाल पर उन्होंने कहा कि अगर उस यात्रा में कोई बदलाव करने का मौका मिले, तो वे और बेहतर प्लानिंग के साथ जाना चाहेंगे।

### फीस बढ़ाने से नाराज अभिभावक पहुंचे डीएम ऑफिस, स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की मांग

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के जानकीपुरम के एक निजी स्कूल ने नए शैक्षिक सत्र में 30% से अधिक फीस बढ़ाने से नाराज अभिभावकों ने बुधवार सुबह डीएम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर विरोध जताया। प्रदर्शन कर रहे अभिभावक स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े है। अभिभावकों ने कहा कि डीएम बढ़ी फीस के खिलाफ जांच कराकर दोषी स्कूल प्रबंधक के खिलाफ कार्रवाई करें। इससे पहले सोमवार को अभिभावकों ने बढ़ी फीस के विरोध में जानकीपुरम स्थित स्कूल के बाहर प्रदर्शन किया था। बैनर लिए अभिभावकों ने बच्चों की शिक्षा को व्यापार बनाना बंद करो लूट की दुकान बंद करो के नारे लगाए। हंगामा बढ़ते ही कुछ देर बाद पुलिस भी आ गई, लेकिन स्कूल प्रबंधन की ओर से कोई अभिभावकों से बात करने नहीं आया। अभिभावकों ने आईजीआरएस समेत अन्य अधिकारियों से शिकायत की थी। जानकीपुरम सेक्टर एच निवासी राम लखन ने बताया उनके दो बेटे स्कूल में पढ़ते हैं। प्रेप में पढ़ने वाले बच्चे की फीस 2200 से बढ़ाकर तीन हजार और दूसरी कक्षा में पढ़ने वाले बच्चे की फीस 2700 से बढ़ाकर 3500 रुपए कर दी है। इसी तरह साधना मिश्रा ने बताया उनके दो बच्चे स्कूल में पढ़ते हैं। इस सत्र में दोनों बच्चों की फीस 30 प्रतिशत से अधिक बढ़ा दी है। सोमवार को 50 से अधिक अभिभावक बढ़ी फीस की शिकायत लेकर स्कूल पहुंचे। ये अभिभावक स्कूल प्रबंधन से मिलने की जिद करने लगे, लेकिन प्रबंधन ने सभी से मिलने से मना कर दिया। करीब 30 मिनट के इंतजार के बाद नाराज अभिभावकों ने स्कूल गेट के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। स्कूल के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। पुलिस के मनाने पर अभिभावक शांत हुए, लेकिन स्कूल प्रबंधन से बात नहीं हो पायी। अभिभावकों ने बताया कि बुधवार को डीएम कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन कर शिकायत दर्ज कराई।

### अलीगढ़ की तीन पर्यटन विकास परियोजनाओं के लिए 211 लाख स्वीकृत

लखनऊ (संवाददाता)। अलीगढ़ मंडल के अलीगढ़ के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 211 लाख रूपये की तीन नवीन परियोजनाएं स्वीकृत की गयी है। इस धनराशि से प्राचीन स्थलों एवं मंदिरों में पर्यटन विकास कार्य कराए जाएंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि अलीगढ़ की खैर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जलालपुर में स्थित हनुमानगढ़ कुटी आश्रम के पर्यटन विकास के लिए 86.39 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृत के सापेक्ष 64 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। इग्लास में स्थित प्राचीन शिव मंदिर बरखंडी आश्रम गोरई के पर्यटन विकास हेतु 72.26 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति के सापेक्ष 54 लाख रूपये की धनराशि जारी की गयी है। बरौली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सुमेर दरियापुर में सुप्रसिद्ध प्राचीन चामुंडा माता मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 123.92 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति के सापेक्ष 93 लाख रूपये की धनराशि जारी है। परियोजनाओं के कार्य हेतु यूपीएसटीडीसी को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए गए है कि सभी कार्यों समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ कराया जाए।

### मजदूरों-कर्मचारियों के लिए गठित होगा नया वेज बोर्ड

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी में 2014 के बाद अब वेज बोर्ड का गठन होने जा रहा है। योगी सरकार ने अगले माह प्रदेश में नए वेज बोर्ड के गठन का ऐलान किया है। यह फैसला नोएडा की फैक्ट्रियों में हुए बवाल के बाद भेजी गई हाईपावर कमेटी की सिफारिश पर किया गया है। वेज बोर्ड ही न्यूनतम मजदूरी की मूल दरों का निर्धारण करता है। बोर्ड का गठन न होने के कारण 2014 से मूल वेतन पर केवल महंगाई भत्ता ही बढ़ता रहा है। प्रदेश सरकार ने नये वेज कोड को ध्यान में रखकर ही प्रदेश में बढ़ी हुई अंतरिम मजदूरी की घोषणा की है प्रदेश में 12 साल बाद वेज बोर्ड के गठन से कामगारों को बड़ी राहत मिलेगी। हर पांच साल में बोर्ड का गठन होना चाहिए, मगर ऐसा नहीं हुआ। 28 जनवरी 2014 को श्रम विभाग ने बोर्ड की संस्तुति के आधार पर न्यूनतम मजदूरी की मूल दरों की अधिसूचना जारी की थी। तब से हर छह माह में मूल वेतन पर महंगाई भत्ते की बढ़ोत्तरी होती रही है। अब मई में नये वेज बोर्ड के गठन के बाद सरकार उसकी सिफारिशों के आधार पर श्रमिकों के न्यूनतम वेतन की मूल दरों का नये सिरे से निर्धारण करेगी। अभी तक प्रदेश में न्यूनतम मजदूरी की दरें और उस पर बढ़ने वाले महंगाई भत्ते की दरें एकसमान थीं। मगर अब ऐसा नहीं होगा श्रम और सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर के अनुसार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है श्रमिकों के हित सुरक्षित रखते हुए प्रदेश में औद्योगिक विकास हो। बीते नौ सालों में प्रदेश सरकार ने पूरी तरह श्रमिक हितों का ख्याल रखा है। प्रदेश में कहीं कोई बवाल या आंदोलन नहीं हुआ। कुछ लोगों को यह रास नहीं आ रहा।

# टीईटी के विरोध में मथुरा में शिक्षकों का विशाल मशाल जुलूस

मथुरा। टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) लागू करने के विरोध में मथुरा में अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ इकाई के बैनर तले हजारों शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विशाल मशाल जुलूस निकालकर जोरदार प्रदर्शन किया। जुलूस टैंक चौराहे से शुरू होकर विकास बाजार स्थित गांधी मूर्ति तक पहुंचा, जहां सभा आयोजित की गई।

जुलूस में प्राथमिक, बेसिक और माध्यमिक शिक्षा से जुड़े शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए। हाथों में मशाल लिए प्रदर्शनकारियों ने टीईटी विरोधी नारे लगाए और सरकार के फैसले को शिक्षकों के अधिकारों के खिलाफ बताया।

सभा को संबोधित करते हुए महासंघ के जिला संरक्षक योगराज चाहर, प्रांतीय संयुक्त मंत्री टीएससीदी एवं शैलेंद्र यादव ने कहा कि टीईटी लागू करना शिक्षकों के अधिकारों का हनन है। अटेवा की जिलाध्यक्ष प्रदीपिका फौजदार और चेतना सीमा सारस्वत ने कहा कि इस निर्णय से महिला शिक्षकों सहित सभी वर्ग प्रभावित होंगे।

वक्ताओं में मुनीश चौधरी, राजेंद्र चौधरी और गोविंद सिंह चौहान ने इसे शिक्षकों की अस्मिता और भविष्य की लड़ाई बताया। एससी/एसटी बेसिक शिक्षक एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अशोक प्रिय और सुरेशचंद ने कहा कि यह निर्णय कमजोर वर्ग के युवाओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालेगा।

नरेंद्र चौधरी ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द निर्णय

वापस नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। किसान यूनियन शिक्षक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि इस मुद्दे पर किसान और शिक्षक एकजुट हैं। मीडिया प्रभारी मनीष दयाल ने इसे शिक्षकों पर जबरन थोपा गया अन्यायपूर्ण निर्णय बताया।

हजारों शिक्षक-शिक्षिकाओं ने थामी मशाल, टीईटी से मुक्ति की मांग

मथुरा में आरटीई लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से मुक्त करने की मांग को लेकर भी व्यापक प्रदर्शन किया गया। महासंघ के प्रांतीय आह्वान पर सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज से होलीगेट तक मशाल जुलूस निकाला गया।

इस दौरान जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ, प्राथमिक शिक्षक संघ, विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन, महिला शिक्षक मोर्चा, एससी/एसटी बेसिक शिक्षक महासभा, उर्दू बीटीसी शिक्षक संघ, यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) सहित कई संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ. अजय कृष्ण सारस्वत और जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र सारस्वत ने टीईटी अनिवार्यता को असंवैधानिक और गैर-मानवीय बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षक इस कानून को निरस्त कराकर ही दम लेंगे। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अतुल सारस्वत और विशिष्ट बीटीसी शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष रविन्द्र चौधरी ने कहा कि शिक्षकों की एकता के आगे सरकार को झुकना पड़ेगा। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष लोकेश गोस्वामी ने सभी प्रदर्शनकारियों का आभार जताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं और एक स्वर में सरकार से टीईटी लागू करने के निर्णय को वापस लेने की मांग की।

# ब्रह्माकुमारी सीमा दीदी का 25वां समर्पण दिवस धूमधाम से मनाया

बलदेव (मथुरा)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के "प्रभु प्रिय धाम" केंद्र पर सहज राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी सीमा दीदी के समर्पित जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर "25वां समर्पण दिवस" बड़े ही हर्षोल्लास एवं आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं केक काटकर की गई।

इस अवसर पर सीमा दीदी के समर्पण, त्याग, तपस्या और सादगीपूर्ण जीवन की सराहना करते हुए वक्ताओं ने कहा कि आज के समय में इस प्रकार का पूर्ण समर्पित जीवन अत्यंत दुर्लभ है। दीदी ने अपने तन, मन, धन और समय को विश्व कल्याण के लिए समर्पित कर अनेक आत्माओं के जीवन को दिशा दी है। उनके स्नेहपूर्ण व्यवहार, मातृवत स्नेह और गुरु के समान मार्गदर्शन ने सभी के जीवन को प्रेरित किया है।

अपने अनुभव साझा करते हुए सीमा दीदी ने कहा कि परमात्मा शिव की संगिनी बनकर जो आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त हुई है, उसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

कार्यक्रम में कानपुर से

पधारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी डॉ. अल्का दीदी ने समर्पण का महत्व बताते हुए कहा कि सच्चा समर्पण मन, वचन और कर्म से भगवान की श्रीमत पर चलना है। उन्होंने कहा कि ऐसे महान संस्कार देने वाले माता-पिता धन्य हैं, जिनकी संतान समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रही है।

मथुरा से आए बी.के. विनोद भाई ने अपने मधुर भजनों से सभी को प्रभु प्रेम में भाव-विभोर कर दिया। बी.के. रेनू बहन ने तिलक, पटका एवं शब्दों के माध्यम से सभी अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम का कुशल संचालन किया।

इस दौरान रेखा बहन का 11वां अलौकिक जन्मदिवस भी मनाया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने सीमा दीदी को शुभकामनाएं, आशीर्वाद एवं उपहार भेंट किए। कार्यक्रम में आध्यात्मिक नृत्य (रास) एवं अंत में प्रसाद वितरण के साथ जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का संकल्प भी कराया गया।

इस अवसर पर बी.के. मोहन, लवली, रंजना, विनोद, जगदीश, सतीश, भूपेंद्र, संतोषी, केसर, गुड्डी, ओमवती, निर्मल, पिंकी, सोना, राजकुमारी, कुसुम, कृष्णा, संगीता, सावित्री, चंद्रवती, गीता, कविता सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

# वृंदावन हादसे को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, मेयर व नगर आयुक्त पर लगाए गंभीर आरोप

मथुरा। वृंदावन में 10 अप्रैल को यमुना नदी में हुए हादसे के बाद मंगलवार को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में नगर निगम प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने मेयर और नगर आयुक्त को हादसे का जिम्मेदार ठहराते हुए नारेबाजी की।

जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर और प्रदेश प्रवक्ता कुंवर सिंह निषाद के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारी पैदल मार्च करते हुए नगर निगम कार्यालय पहुंचे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मेयर विनोद अग्रवाल और नगर आयुक्त जग प्रवेश के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए।

कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता कुंवर सिंह निषाद ने आरोप लगाया कि यमुना में हुए हादसे के लिए नगर निगम प्रशासन की लापरवाही जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई थी, जिसके कारण यह दुखद घटना हुई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन ने वास्तविक दोषियों पर कार्रवाई करने के बजाय निर्दोष नाविक को जेल भेज दिया। साथ ही कहा कि नगर निगम में भ्रष्टाचार चरम पर है और अतिक्रमण के नाम पर व्यापारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन और वृंदावन में चक्का जाम भी किया जाएगा।

## मिट्टी ही है स्त्रोत

(छप्पय)

हरियाली की छाँव गाँव की हँसी-ठिठोली।
आपस के संबंध प्रेम की अनुपम बोली।
करो धरा से बात लगे यह अच्छा सुनना।
मिट्टी ही है स्रोत सृजन का इसे समझना।
जीव परिंदा उड़ गया माटी ही अवशेष है।
ऋतुएँ सिखलाती यही जीवन का उन्मेष है।।

चरणों में यह बैठ नमन वंदन है करती।
सबको देती ठाँव उदर भी सबका भरती।
है पैरों की धूल न भूले से यह कहना।
माटी ही है स्रोत सृजन का इसे समझना।
नैतिकता के साथ में अपनी ही हर शर्त को।
बिन बोले हर रीति में भरती जीवन-अर्थ को।।

**डॉ. प्रदीप चित्रांशी**
लूकरगंज, प्रयागराज

### शोषित, वंचित, पिछड़ों व महिलाओं को अधिकार दिलाने में डॉ. अंबेडकर की अहम भूमिकाः डॉ. अखिलेश यादव

बलदेव (मथुरा)। डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर राजकीय इंटर कॉलेज दाघेटा, बलदेव के पुस्तकालय में विद्यार्थियों के लिए एक विचारगोष्ठी एवं सेमिनार का आयोजन



किया गया। कार्यक्रम का विषय "शोषित, वंचित, पिछड़ों एवं महिलाओं के उत्थान में डॉ. अंबेडकर का योगदान" रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता डॉ. अखिलेश यादव द्वारा डॉ. अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने डॉ. अंबेडकर के संघर्षपूर्ण जीवन, उनके विचारों और समाज सुधार में उनके अतुलनीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को अधिकार दिलाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

सेमिनार में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पार्थिव शुक्ला ने शिक्षा के प्रति डॉ. अंबेडकर की सोच पर अपने विचार रखे, वहीं कुमारी डॉली ने महिलाओं के अधिकारों एवं उनकी स्थिति में सुधार को लेकर डॉ. अंबेडकर के योगदान को प्रस्तुत किया। कृष्णा रावत और विवेक कुमार ने "डॉ. अंबेडकर के सपनों का भारत" विषय पर अपने विचार साझा किए।

### फंदे से लटकता मिला महिला का शव, मायकेवाले बोले, हत्या हुई

लखनऊ (संवाददाता)। निगोहां थाना क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उसका शव घर में फंदे से लटकता मिला। मायकेवालों ने ससुरालवालों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने पति को हिरासत में ले लिया है। जांच में सामने आया है कि शादी के 6 साल महिला को बच्चा नहीं हुआ था। जिससे वो तनाव में रहती थी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि सभी एंगल से जांच की जा रही है। घटना मंगलवार रात नन्दौली गांव की है। महिला की पहचान 25 साल की रूबी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान रूबी (पत्नी सूरज रावत) के रूप में हुई है। बताया गया कि मंगलवार शाम उनके पति सूरज रावत पास के गांव जमुरिया में एक शादी कार्यक्रम में लकड़ी काटने के काम से गए थे।


**उत्तर मध्य रेलवे**

**ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या : 26/13 दिनांक : 10.04.2026**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उमरेप्र, प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001-2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं-

| क्र. सं. | निविदा संख्या | संक्षिप्त विवरण | मात्रा | निविदा खुलने की तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 20261314 | ब्रेक शू (50 एम.एम.) | 21572 नग | 06.05.2026 |
| 2 | 90262020 | एल्युमीनियम चेकर्ड शीट साइज 2940x830x2.03 एम एम | 56494 किलोग्राम | 29.04.2026 |
| 3 | 80255029 | एड पैसेंजर /544 किलो | 4 नग | 04.05.2026 |
| 4 | 30262735 | बॉल ज्वाइंट ट्रैक्शन लीवर टू पिव्हट | 7554 नग | 30.04.2026 |

नोट : उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाइट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा।

786/26 (D)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

**उत्तर मध्य रेलवे**

**'सार्वजनिक अधिसूचना'**

उत्तर मध्य रेलवे के नैनी क्षेत्र के पूर्ण हो चुके खंड पर स्थित रेलवे 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन और परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि रेलवे ट्रांसमिशन लाइन के नीचे दिये हुए खंड में 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन को 26.04.2026 को या उसके बाद चालू किया जाएगा। इस तिथि से या उसके बाद से नैनी क्षेत्र के संशोधित रेलवे 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन को हर समय ऊर्जित माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उक्त रेलवे 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन के पास नहीं जाएगा या उसके आसपास काम नहीं करेगा।

Section: मिशन रफ्तार परियोजना के संबंध में उत्तर मध्य रेलवे के जिवनाथपुर-कानपुर खंड में विभिन्न 2x25 केवी टीएसएस पर मौजूदा 132 केवी 3 फेज डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन को डीटूरींग (DETOURING) के लिए बचे हुए काम के संबंध में नई 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन का ऊर्जीकरण

KM / Location / Chainage From-To

132 केवी नैनी रेलवे ट्रैक्शन सब-स्टेशन एवं इसके नजदीक से टावर नंबर 107A,107 और 106 तक

**ऊर्जाकरण की तिथि:- 26.04.2026**

No. -EL-PU-Misc-25-26 (गणेश कुमार सिंह)
Dated 11.04.2026 उप मुख्य विद्युत अभि0/मुख्या0/पी0यू0
Place - Prayagraj उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR 802/26(D)

# सम्पादकीय.....

## ऊर्जा आपूर्ति शृंखला को संकट

कोरोना संकट के बाद पटरी पर लौटती वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को दुनिया के कई भागों में जारी युद्ध व संघर्ष ने फिर पटरी से उतार दिया है। महाशक्तियों की महत्वाकांक्षा मानवता और आम आदमी के जीवन पर भारी पड़ी है। यूक्रेन युद्ध ने दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं और यूरोप की ऊर्जा आपूर्ति को बाधित जरूर किया, लेकिन उसका असर उतना व्यापक नहीं था, जितना खाड़ी युद्ध का रहा है। जाहिरा तौर पर वैश्विक आपूर्ति शृंखला बाधित होने से आम आदमी के जीवन पर बहुत नकारात्मक असर पड़ा है। बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की जीवन शैली व थाली पर गहरा प्रभाव डाला है। अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों और इस्राइल की आक्रामकता से उपजे खाड़ी संकट ने एशिया ही नहीं, बल्कि यूरोप, अफ्रीका व अमेरिका की ऊर्जा आपूर्ति शृंखला को संकट में डाल दिया है। संयुक्त राष्ट्र की विफलता के चलते आज दुनिया में 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' वाली कहावत चरितार्थ हुई है। जिसका सीधा असर महंगाई वृद्धि के रूप में सामने आया है। एक ओर ईंधन संकट और उससे बुरी तरह प्रभावित जनजीवन आक्रोश का कारक बना है। विडंबना यह है कि इस महंगाई के बीच कामगारों के वेतन सिकुड़ने लगे हैं। जीवनयापन कठिन होते और कोई समाधान न निकलते देख श्रमिकों का आक्रोश सड़क तक पहुंचने लगा है। सोमवार को उत्तर प्रदेश के नोएडा में फैक्ट्रियों के श्रमिकों द्वारा किया गया हिंसक प्रदर्शन इस संकट की परिणति ही है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा की औद्योगिक नगरी मानेसर में भी पुलिस व श्रमिकों के बीच हिंसक झड़पों की खबरें आई हैं। ये टकराव भारतीय औद्योगिक तंत्र की विसंगतियों की ही याद दिलाते हैं। इस तरह के हिंसक संघर्ष हमारी कानून–व्यवस्था की विफलता को भी उजागर करते हैं। वहीं बताते हैं कि श्रमिक वर्ग, उद्योग और राज्य सरकार के बीच कहीं न कहीं संवाद की कमी है। यही वजह है कि वेतन बढ़ाने की मांग के समर्थन में शुरू हुआ मार्च कालांतर आगजनी, तोड़फोड़ व यातायात बाधित करने में तब्दील हो गया। निश्चित तौर पर समय रहते इस श्रमिक असंतोष को भांपते हुए बेहतर ढंग से संवाद किया जाता तो शायद टकराव की स्थिति पैदा न होती। दरअसल, सरकारों की तरफ से तो कहा जा रहा है कि देश में ईंधन व गैस आपूर्ति में कोई व्यवधान नहीं है, लेकिन जमाखोरी व प्रशासन की उदासीनता से इसकी कालाबाजारी जारी है। श्रमिक वर्ग जो छोटे गैस सिलेंडरों से जीवन–यापन करता था, उसमें व्यवधान पैदा हो गया। नियंत्रित गैस आपूर्ति से छोटे गैस सिलेंडर भरने का धंधा ठप हो गया। शायद सरकारों को भी इस बात का अहसास नहीं था कि कितना बड़ा श्रमिक वर्ग छोटे गैस सिलेंडरों को भरने के काले धंधे पर निर्भर है। यही वजह है कि हिमाचल समेत कई राज्यों में खाना पकाने के संकट के चलते श्रमिकों के घर लौटने के मामले प्रकाश में आए हैं। लेकिन इस संकट को शासन–प्रशासन के स्तर पर गंभीरता से नहीं लिया गया। निर्विवाद रूप से बढ़ती महंगाई और स्थिर वेतन के बीच बढ़ती खाई से अशांति की जड़ें गहरी होती जा रही हैं। औद्योगिक केंद्रों में कामगार पश्चिम एशिया युद्ध के चलते बढ़ी महंगाई के कारण दबाव में अपना गुजारा करने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। निस्संदेह, हरियाणा द्वारा न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने का निर्णय इस गंभीर वास्तविकता की स्वीकृति को ही दर्शाता है। लेकिन यह भी हकीकत है कि तात्कालिक उपाय के रूप में बातचीत और शिकायतों का फौरी निवारण कारगर विकल्प नहीं हो सकते। हालांकि, अधिकारी अशांति फैलाने में निहित स्वार्थी तत्वों की भूमिका की जांच कर रहे हैं, लेकिन ये घटनाएं व्यवस्थागत अविश्वास को भी दर्शाती हैं। दरअसल, श्रमिकों का उपेक्षित महसूस करना वातावरण को अस्थिर बनाता है। लेकिन यह एक हकीकत है कि दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन के लिये विनिर्माण की महत्वाकांक्षाएं स्थिर–प्रेरित कार्यबल के बिना संभव नहीं हैं। औद्योगिक अशांति केवल उत्पादन–निवेश तक ही सीमित नहीं रहती। इससे आपूर्ति शृंखला बाधित होने और निवेशकों का भरोसा कम होने की आशंका भी पैदा होती है। निस्संदेह, आर्थिक प्रगति समावेशी हो। शासन को श्रमिक हितैषी होना चाहिए। विश्वास निर्माण से ही हमारे कारखाने विकास का इंजन बन सकते हैं।

# नोएडा में क्यों हिंसक हुआ कर्मचारियों का प्रोटेस्ट, आंदोलन या साजिश?

**अभिनय आकाश**

पछले तीन–चार दिन से हम देख रहे हैं कि श्रमिक हड़ताल कर रही हैं। प्रोटेस्ट कर रही हैं। उनकी मांग है कि उनका वेतन बढ़ाया जाए। उनकी मांग है कि ओवरटाइ का उनको पैसा दिया जाए। उनकी मांग है कि उनको वीकली ऑफ दिया जाए और सम्मानित तरीके से उनको काम करने दिया जाए। उनका शोषण ना हो। उनकी सुरक्षा का ध्यान रखा जाए। 13 अप्रैल को सुबह–सुबह यानी अगर आज सुबह का मैं जिक्र करूं तो देखते ही देखते नोएडा के अलग–अलग क्षेत्रों में ये जो साइलेंट प्रोटेस्ट चल रहा था, यह अचानक से उग्र हो गया। कितना उग्र हो गया? गाड़ियां जला दी गई। जो तस्वीरें सामने आई है उसको देखने के बाद अंदाजा लगाया जा सकता है। जोर–जोर से नारे लगाए जा रहे हैं। यह प्रदर्शन देखते ही देखते उग्र हो गया। जो लोग अपने ऑफिसों के लिए निकले थे वो अपने ऑफिस नहीं जा पाए। पुलिस बल वहां पर तैनात कर दिया गया और स्थिति को कुछ ऐसा दिखाने की कोशिश की गई कि सब कुछ आउट ऑफ कंट्रोल है।

प्रदर्शनकारी लंबे समय से वेतन वृद्धि और कामकाज की जो परिस्थितियां है उसमें सुधार करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि महंगाई के दौर में मौजूदा वेतन पर्याप्त नहीं है जिससे उनका जीवन यापन प्रभावित हो रहा है। कर्मचारियों की जो प्रमुख मांगे हैं उसमें मिनिमम जो सैलरी है वह 13,000 से बढ़ाकर 20,000 करने को कहा गया है। साथ ही साथ ओवरटाइ का पेमेंट किया जाए और छुट्टियों के लिए अलग से प्रोविजन को शामिल किया जाए। यह उनकी प्रमुख मांगे हैं। व स्थिति बिगड़ने पर पुलिस और प्रशासन जो है वह हरकत में आया। मौके पर भारी पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है और प्रदर्शनकारियों को शांत करने की कोशिश की गई। हालांकि जब भीड़ काबू से बाहर होती नजर आई तो पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करके भीड़ को तितर–बितर किया। इस दौरान आंसू गैस के गोले का भी इस्तेमाल किया गया। कई स्थानों पर हालात धीरे–धीरे अब सामान्य होने लगे हैं। लेकिन तनाव अब भी बना हुआ है। एक दिन पहले जिला प्रशासन, पुलिस और प्राधिकरण के अधिकारियों ने कर्मचारियों के जो प्रतिनिधि हैं उनके साथ एक मीटिंग की थी। इस मीटिंग में उनकी मांगों पर विचार करने और समाधान निकालने का आश्वासन दिया गया था। इसके बावजूद भी कर्मचारियों का गुस्सा शांत नहीं हुआ और आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया। फिलहाल प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की जा रही है। अधिकारी का कहना है कि किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कारवाई की जाएगी। इससे पहले 12 अप्रैल को गौतम बुद्ध नगर की डीएम मेधा रूपम ने नोएडा प्राधिकरण में एक मीटिंग ली थी जिसमें प्रमुख सचिव श्रम और यूपी के जो लेबर कमिश्नर हैं वह भी इसमें वर्चुअली शामिल हुए थे। इस मीटिंग में जो कर्मचारी हैं उनके हितों की सुरक्षा, ओवरटाइ का दुगना भुगतान, बोनस, वीकली ऑफ और वर्क बेस, सेफ्टी और सिक्योरिटी को लेकर बातचीत की गई थी। इसके बाद कर्मचारियों से अपील करते हुए डीएम मेधा रूपम ने एक वीडियो भी पोस्ट किया था। आपको सुनवाते हैं। सभी श्रमिक भाई बहनों से यह मेरी अपील है कि आप सब शांति पूर्वक अपने अपने कार्यस्थल पर जाएं और कार्य करें। साथ में आपसे यह भी अपील है कि जिले का सौहार्द बनाए रखें व कानून व्यवस्था भी बनाए रखें। इसके साथ–साथ आपसे यह भी अपील है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों से प्रभावित नहीं हो। हालांकि प्रशासन के आश्वासन के बाद भी नोएडा में कर्मचारियों की मांगे अब भी बरकरार हैं। अभी भी कोई समाधान नहीं निकला है। जिसकी वजह से सोमवार को यह जो प्रोटेस्ट है वो हिंसक हो गया और आगजनी जगह–जगह की गई है। इससे पहले हरियाणा के गुरुग्राम में भी आधा दर्जन से ज्यादा कंपनियों के जो कर्मचारी हैं प्राइवेट कंपनी उनके कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर हड़ताल की थी। बाद में हरियाणा सरकार की तरफ से मिनिमम वेतन या जो कि मिनिमम वेजेस होते हैं उनकी दरों में करीब 35प्रतिशत का इजाफा करने की बात कही गई थी जो कि 1 अप्रैल से एप्लीकेबल होगा। इसके तहत अनस्किल्ड वर्कर का वेतन 11,275 से बढ़ाकर 15,220 किया गया। सेमी स्किल्ड वर्कर का वेतन 12,430 से बढ़ाकर 16,780, स्किल्ड वर्कर का वेतन 13,704 से बढ़ाकर 18,500 और हाईली स्किल्ड वर्कर का वेतन 14,389 से बढ़ाकर 19,425 करने की बात कही। यही मांग नोएडा में भी जो कर्मचारी हैं, वह कर रहे हैं।

औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत श्रमिकों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समय पर और सम्मानजनक पैसे देने के निर्देश दिए हैं। शनिवार देर शाम आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के कुछ औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के बीच उभर रहे असंतोष और हालिया प्रदर्शनों का संज्ञान लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी औद्योगिक विकास प्राधिकरण अगले 24 घंटे के भीतर औद्योगिक संगठनों, उद्योग प्रतिनिधियों और इकाई प्रबंधन से सीधा संवाद स्थापित करें और समस्याओं का समाधान संवाद के माध्यम से प्राथमिकता पर सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी जनपदों में श्रम कानूनों का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए । उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रत्येक श्रमिक को सुरक्षित, सम्मानजनक और मानवीय कार्य वातावरणमिलना चाहिए। उनके अधिकारों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, विश्रामगृह, स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रत्येक औद्योगिक इकाई की अनिवार्य जिम्मेदारी है। योगी जी ने यहां तक कहा है कि भाई सारे कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी और ये कहा था कि आप अपने यहां वर्क आवर कम कीजिए। लेबर लॉस का पालन कीजिए। यह सब हुआ है। उसके बाद ये प्रोटेस्ट शुरू हुआ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मेरठ के सेंट्रल मार्केट में हो रही तोड़फोड़ के साथ आंदोलन और नोएडा में श्रमिकों की हिंसा को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सिर्फ पूंजीपतियों का पोषण कर रही है और श्रमिकों, छोटे व्यापारियों का शोषण कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का भ्रष्टाचार का पेट सुरसा के मुंह जैसा है और जो व्यापारी आज भाजपा के साथ खड़े हैं, वे भी जल्द ही इनकी गलत नीतियों का शिकार बनेंगे।

### दो दशकों तक निरंतर प्रधान के रूप में सेवा देने वाले

## अंतरराष्ट्रीय कवयित्री एवं गायिका शांभवी सिंह जी के दादा जी के निधन से सम्पूर्ण ग्राम वासियों में शोक की लहर

ग्राम पूरे सुखदेव प्रतापगढ़ के पूर्व प्रधान , रिश्तों के ज़रिए बेल्हा राजघराने से ताल्लुक रखने वाले , मांधाता क्षेत्र के लैंडलॉर्ड , सामाजिक मर्यादा की मिसाल, पूर्व सांसद अभय सिंह जी के छोटे भाई ,

नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह के अमर जानता इंटर कॉलेज के पूर्व प्रबंधक स्व० भैरव प्रताप सिंह जी के ज्येष्ठ भ्राता एवम् अंतर्राष्ट्रीय कवयित्री शांभवी सिंह जी के दादा जी गिरिजा शंकर सिंह उम्र 88 वर्ष का लखनऊ के पीजीआई चिकित्सालय में रविवार की शाम हृदयगति रुक जाने से निधन हो गया।

सरल स्वभाव एवम् मृदुभाषी पूर्व प्रधान के अचानक स्मृतिशेष होने की खबर से पूरा क्षेत्र शोकाकुल है। अमर जनता इंटर कॉलेज संस्थापक सदस्य गिरिजा शंकर जी के निधन पर शोक बैठक कर विद्यालय ने भी श्रद्धांजलि दी तथा विद्यालय में एक दिन का अवकाश घोषित किया गया ।

उनके अंतिम दर्शन के लिए पैतृक आवास पर उनके शुभचिंतकों का घंटों मजमा लगा रहा। यहाँ तक की शोक संतप्त ग्राम की दुकाने भी बंद रहीं।

गिरिजा शंकर सिंह दो दशकों तक लगातार गाँव के जनप्रिय ग्राम प्रधान रहे ।

मुक्ति धाम श्रृंगवेरपुर में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनकी अंतिम यात्रा में लोगों का तांता लगा रहा।

अभी कुछ महीने पहले ही इनके छोटे भाई मैनेजर भैरव प्रताप सिंह जी का स्वर्गवास हुआ है । क्षेत्र में दोनों भाइयों के आपसी प्रेम, मर्यादा , विश्वास और एकता की मिसाल दी जाती है।

बारी बारी से परिवार के दोनों

अभिभावकों के बिछड़ने का दर्द परिजनों की आंखों से आंसू बनकर छलक रहा था

इनकी पत्नी श्रीमती बिंदु सिंह जी पति को ही देवता मानने वाली पति के विचारों एवं उनके आदेशों का सम्मान करने वाली उनसे सर्वथा अत्यंत , अपरिमित प्रेम करने वाली उनके निधन पर गहरे शोक में डूब गईं

फिर भी बच्चों को हौसला देती रहीं । उनके सुपुत्र अमर जानता इंटर कॉलेज संस्था के सचिव श्री अंशुमान सिंह , श्री विनायक सिंह , श्री कर्ण सिंह सिंह जिन्होंने उनका नाम समस्त विश्व में रोशन किया बताती हैं की दादाजी उनके लिए प्रेरणा स्रोत थे और आगे भी रहेंगे , कभी किसी भी तरह की परेशानी हुई तो दादाजी चट्टान की तरह खड़े रहे । बेटियों को सदैव पूज्य नज़रों से देखने वाले गिरिजा शंकर सिंह जी का ही आशीर्वाद रहा कि शांभवी सिंह आज देश विदेश की यात्राएँ कर रही हैं द्य उनके छोटे दादा जी स्व० भैरव प्रताप सिंह जी ने भी उनकी गायकी और कविताओं को सदैव महत्व के साथ पूरा परिवार इस अपूर्णीय क्षति से व्यथित हैं साथ ही अपने माता पिता के दिए हुए संस्कारों से प्रेरित हैं और उन्हें संजोए हुए हैं।

उनकी पौत्री और अंतरराष्ट्रीय कवयित्री शांभवी दिया और उन्हें सदैव आगे बढ़ाया । आज दोनों ही दुनिया में नहीं है परंतु उनके संस्कार , उनके विचार और उनकी दी हुई शिक्षाओं का महत्व पूरे परिवार में सदैव रहेगा । शांभवी सिंह की कविताओं में "मेरा गांव" और "बंटवारा" जैसी रचनाएँ इनके बनाये हुए सम्मिलित परिवार की ही देन हैं। उनकी दोनों दादी बिंदु सिंह और विद्या सिंह के साथ साथ सम्पूर्ण परिवार शांभवी के लिए प्रेरणा स्रोत है । गिरिजा शंकर सिंह जी एक मुखिया के रूप में सम्मिलित परिवार के वो वृक्ष थे जिसकी डाली पर पूरा परिवार परिंदों की तरह बैठता था । डाली टूट गई तो परिंदे अपना घर ढूँढ रहे हैं वो घर जहाँ निश्चिंत होकर वो बैठ सकें और सुकून से दाने चुग सकें ।

उनका हंसमुख चेहरा , भ्रातृ प्रेम , कर्तव्य परायणता , इच्छा शक्ति , निडरता , हार ना मानना और पत्नीव्रता स्वभाव सर्वथा सम्माननीय है।

दोनों भाइयों का बनाया हुआ ये सम्मिलित परिवार आज दोनों के बिना अधूरा है और शोक में डूबा है।

राज परिवार से रिश्ता होते हुए भी अत्यंत सरल भाषा एवं विनम्र व्यक्तित्व के धनी गिरिजा शंकर जी के निधन से समस्त क्षेत्र में शोक की लहर है। केवल प्रतापगढ़ ही नहीं उत्तर प्रदेश के विभिन्न ज़िलों में भी आदरणीय गिरिजा शंकर सिंह जी के व्यक्तित्व और कृतित्व की चर्चा गूँज रही है और गूंजती रहेगी।

### सीमा वर्णिका की कलम से

## 'खाली हाथ'

पहली बार सरोगेट माँ बनकर वह भूल ही गई थी कि कोख में पलने वाली संतान पर किसी और का हक़ है। पति की शारीरिक अपंगता के कारण बार–बार अपने ममत्व को झुठलाना पड़ रहा था।

क्यों अपनी संतान नही हो सकती क्या,उसने अपने पति से पूछा।

क्यों नहीं, मुझे भी दुःख होता..पाँच बार माँ बनने के बाद भी तुम्हें माँ बोलने वाला कोई नहीं, पति ने कहा।

इस बार हमारी संतान होगी जिसे तुमसे कोई नहीं छीनेगा, उसने अपनी पत्नी को आश्वासन दिया ।

वक्त बीता को फिर से गर्भवती थी हालांकि शारीरिक रूप से कमजोर हो गई थी।

इनका शरीर बहुत कमजोर पड़ चुका है हमें इनकी कुछ जाँचे करनी होगी, डॉक्टर ने उसके पीले पड़े चेहरे को देखते हुए बोला।

हाँ हाँ ..क्यों नहीं.. डॉक्टर आप टेस्ट करा ले, पति ने जवाब दिया।

उसने आँखें खोलीं बहुत कमजोरी महसूस कर रही थी। उसकी नजर पति के मायूस चेहरे पर पड़ी ।

क्या हुआ... क्या है.. रिपोर्ट बताइए ना, पत्नी उत्सुकता वश पूछ रही थी।

अब तुम कभी माँ नहीं बन सकती, बड़ी मुश्किल से रुंधे हुए गले से पति बोला।

क्यों.. ऐसा क्या हुआ.. बताओ.. मेरा दिल बैठा जा रहा है, पत्नी हकलाते हुए बोली ।

तुम्हारे गर्भाशय में कैंसर की गाँठ थी उसे निकाल दिया गया है बस यही मानो तुम्हारी जान बच गई, पति समझाते हुए बोला।

आज घर का वैभव रुपया पैसा सुविधाएँ सब मुँह चिड़ा रहे थे। औरों की कोख भरते–भरते खुद की कोख सूनी रह गई थी।

सीमा वर्णिका,
कानपुर

# सबरीमाला पर धर्म और कानून में महासंग्राम

**कमलेश पांडे**

सबरीमाला प्रकरण के बहाने भारतीय लोकतंत्र में, संसद और संविधान के दायरे में, सियासत और न्यायपालिका के मठाधीशों के नजरिए में, क्या सही है और क्या गलत? क्या जिम्मेदारी है और क्या नहीं?, यह बहस का विषय नहीं होना चाहिए, बल्कि स्पष्ट कार्रवाई नजर आनी चाहिए। या तो सियासतदान, संसद और विधानमंडलों में कानून स्पष्ट बनाएं या फिर सुलगते सवालों पर न्यायपालिका के न्यायाधीशगण स्वतः संज्ञान लेकर निष्पक्ष न्यायदेश देने की पहल करें, क्योंकि आम जनता का हित सर्वोपरि होना चाहिए। धर्मनिरपेक्षता की आड़ में एक शांति प्रिय धर्म के बारे में सुनवाई और दिशानिर्देश, जबकि दूसरे–तीसरे कट्टर धर्म के बारे में अपेक्षित सुनवाई पर टालमटोल ज्यादा दिन तक नहीं चलने वाला है, क्योंकि प्रबुद्ध हिंदुओं के संज्ञान में सारी बातें आईने की तरह चमक रही हैं और कॉन्वेंट एजुकेटेड लोगों से ज्यादा अपेक्षा भी किसी को नहीं है। लिहाजा, केंद्र सरकार और न्यायमूर्ति के स्टैंड अपनी अपनी जगह पर सही हैं, इसलिए भारतीय जनता के व्यापक हित में फैसला आना चाहिए, न कि पीक एंड चूज! जैसा कि विभिन्न विवादास्पद मामलों में प्रतीत होता है। सरकार और न्यायालय से जुड़े लोगों से बहुमत का पक्ष लेने की अपेक्षा नहीं कि जाती है, बल्कि बिटवीन द लाइंस की तरह ऐसा निर्णय आना चाहिए, जिसपर तर्क–वितर्क की कोई गुंजाइश ही न बने।

बीच बहस में पड़ने का दूसरा अदृश्य पहलू यह है कि आम तौर पर किसी न्यायाधीश या नौकरशाह की बुद्धि आम बहुमतधारी नेताओं की बुद्धि से औसत रूप में अच्छी समझी जाती है! फिर भी जब राजनीतिक अतिरेक पर, धार्मिक चुनींदेपन पर, व्यक्तिगत विभेद आदि पर न्यायपालिका और ओछी सियासत के बीच सबकुछ गड्डमड्ड दिखाई देने लगता है तो न्यायिक विवेक और विधायी विवेक के ऊपर सवाल उठाना लाजिमी है। यही पर जनमत को प्रभावित करने वाले संपादकीय विवेक का उत्तरदायित्व बढ़ जाता है! पर दुर्भाग्य की बात है कि इसे भी खुल्लमखुल्ला बाजार बनने को अभिशप्त बना दिया गया है।

सुलगता सवाल है कि आखिर विधायिका और न्यायपालिका देश के सुलगते हुए सवालों का हल बीते सात–आठ दशकों में भी क्यों नहीं ढूंढ पाई हैं? वहीं सामाजिक न्याय और साम्प्रदायिक सोच से जुड़े मसलों पर कड़वा सच कहने का हौसला नहीं प्रदर्शित कर पाई। इससे बहुमत का नँगानाच बढ़ा और मानवीयता नकार दी गई। विधिवत पक्षपात दिखता रहा, लेकिन न्यायविदों की खामोशी पीड़ितों की सिसकन पर भारी पड़ी। यह कोई उलाहना नहीं, बल्कि आपकी अंतरात्मा को झकझोरने की एक पहल है। आखिर कई बार न्यायपालिकाध कार्यपालिका भीड़तंत्र के समक्ष घुटने टेकती हुई प्रतीत क्यों होती हैं?

खैर, जब जब ऐसा हुआ, उन्हें संपादकीय विवेक सम्मत आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। बावजूद इसके मुद्दे जस के तस बने हुए हैं और व्यवस्था पूंजीवादी सोच के प्रति नतमस्तक नजर आती है, क्योंकि श्दीपावली उपहारश तो किसान–मजदूर–कारीगर कभी दे नहीं सकते। सबसे बड़ा सवाल यह कि भारतीय संविधान के प्रथम संशोधन पर यानी संविधान की नौवीं अनुसूची पर न्यायिक चुप्पी आजतक प्रबुद्ध लोगों को खल रही है, क्योंकि जब सुप्रीम कोर्ट संविधान का संरक्षक है तो ऐसा कोई विषय नहीं छोड़ा जाना चाहिए, जिसकी न्यायिक समीक्षा नहीं हो सके, जैसा कि प्रथम संवैधानिक संशोधन के बाद प्रचलन में आया। यह तो महज एक बानगी है, अन्यथा कार्यपालिका की हरकतों पर न्यायपालिका की लाचारी दिखाती है कि लोकतंत्र आना अभी शेष है!

दरअसल, सबरीमला मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने गत 8 अप्रैल, दिन बुधवार को एक अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि उसके पास यह तय करने का अधिकार है कि किसी धर्म में कौन–सी प्रथा अंधविश्वास है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीट ने कहा, अगर विधायिका चुप रहे तो न्यायपालिका हस्तक्षेप नहीं कर सकती? बता दें कि कोर्ट की यह टिप्पणी केंद्र सरकार के उस तर्क के जवाब में आई, जिसमें कहा गया था कि अदालत यह तय नहीं कर सकती कि कोई धार्मिक प्रथा अंधविश्वास है या नहीं। मसलन, केंद्र का कहना था कि जज कानून के विशेषज्ञ होते हैं, धर्म के नहीं। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने संवैधानिक नैतिकता और ट्रांसफॉर्मेटिव कॉन्स्टिट्यूशनलिज्म पर सवाल उठाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि, धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े मामलों में संवैधानिक नैतिकता को आधार नहीं बनाया जा सकता। मेहता ने कहा कि यह न्यायिक समीक्षा का स्वतंत्र आधार नहीं हो सकता।

सॉलिसिटर जनरल मेहता ने पूछा, अदालत कैसे तय कर सकती है कि कोई प्रथा अंधविश्वास है। भले कोई प्रथा अंधविश्वासी हो, उसे ऐसा घोषित करना अदालत का काम नहीं है। कानून बनाना विधायिका का अधिकार है। इस पर जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा, कोर्ट के पास यह कहने का अधिकार है कि कोई प्रथा अंधविश्वास है या नहीं। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा– समाज में नैतिकता समय के साथ बदलती है। किसी प्रथा को अंधविश्वासी मानने का अधिकार कोर्ट के पास है? सुप्रीम कोर्ट का सवाल है कि अगर विधायिका चुप रहे तो क्या न्यायपालिका हस्तक्षेप नहीं कर सकती, विधायिका चुप रहे तो? मेहता ने कहा, भारत जैसे विविध समाज में एक समुदाय की धार्मिक प्रथा दूसरे के लिए अंधविश्वास हो सकती है। इस पर जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने पूछा, कोई समुदाय जादूटोना को प्रथा बताए, तो उसे अंधविश्वास नहीं माना जाएगा? अगर अनुच्छेद 32 के तहत मामला कोर्ट में आए और विधायिका चुप रहे तो? सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह भी पूछा कि जो लोग भगवान अयप्पा के भक्त नहीं है, क्या वे मंदिर की परपराओ को चुनौती दे सकते है? सॉलिसिटर जनरल मेहता ने बताया कि मूल याचिका इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन ने दायर की थी। इस पर जस्टिस नागरत्ना ने सवाल उठाया कि क्या गैर–भक्त को ऐसा अधिकार है? दरअसल, सबरीमला केस की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की पीठ कर रही है। धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के प्रवेश से जुड़े, सबरीमला विवाद मामलों पर सुनवाई चल रही है। इसी पर केंद्र ने कहा– धर्म में अंधविश्वास है या नहीं, यह तय करना अदालत का काम नहीं है। जब भक्त नहीं तो चुनौती कैसे दे सकते है? यहां पर केंद्र सरकार और न्यायपालिका के दृष्टिकोण से असहमत होने का कोई औचित्य नजर नहीं आता है, लेकिन मामले का सकारात्मक हल निकले, यह ज्यादा महत्वपूर्ण है।

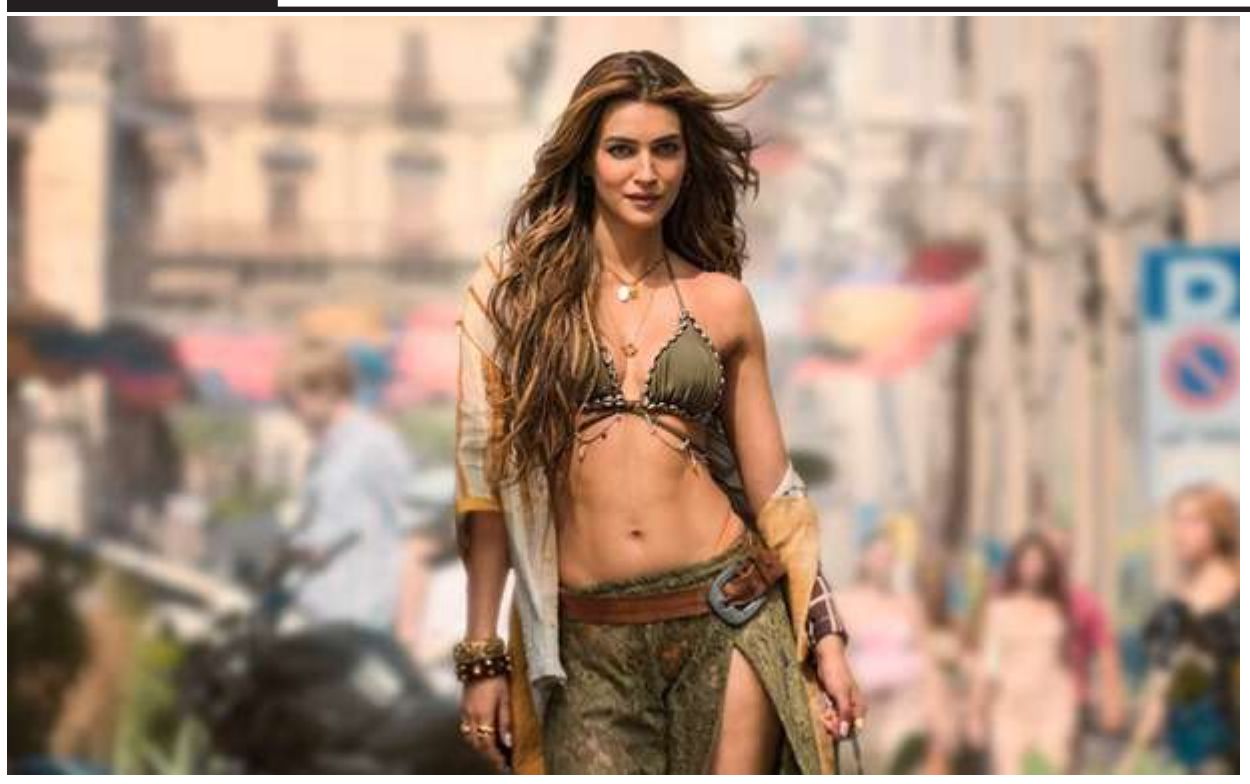

# `कॉकटेल 2' के लिए कृति सेनन ने कैसे घटाया अपना वजन? एक्ट्रेस ने पहली बार फॉलो की स्ट्रिक्ट डाइट

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना जल्द ही अपनी आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' में नजर आने वाले हैं। ये फिल्म 2012 में आई 'कॉकटेल' का सीक्वल है। 'कॉकटेल 2' के क्लिप्स में कृति काफी फिट और बोल्ड नजर आ रही हैं। अब उन्होंने इसी को लेकर अपनी डाइट और रूटीन को लेकर खुलकर बात की। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा। आईएएनएस से बातचीत में कृति सेनन ने कहा, 'सच कहूं तो 'कॉकटेल' के दौरान ही ऐसा हुआ था जब मैं बहुत स्ट्रिक्ट डाइट और कंसिस्टेंट वर्कआउट रूटीन पर थी और पहली बार मैंने कैलोरी–डेफिसिट डाइट फॉलो की, जो मैंने पहले कभी अपनी जिंदगी में नहीं किया था। हम इटली के सिसिली में शूट कर रहे थे और वहां खाने की बात करें तो ज्यादातर पिज्जा, पास्ता, पिज्जा वही सब होता है। और मैं बस सोचती रह जाती थी।' कैलोरी–डेफिसिट डाइट का मतलब शरीर की नॉर्मल कैलोरी मात्रा से कम कैलोरी लेना। इसका मोटिव वजन घटाने के लिए शरीर में जमा फैट को एनर्जी के रूप में इस्तेमाल करने पर मजबूर करना होता है। इसमें आमतौर पर रोज के खाने में 500–1000 कैलोरी कम की जाती है, जिससे हर सप्ताह लगभग 1 किलो वजन कम हो सकता है। हाल ही में जूम के पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान कृति ने 'कॉकटेल 2' को लेकर अपनी एक्साइटमेंट भी शेयर की और फैंस को आने वाली फिल्म की झलक दी। एक्ट्रेस ने कहा कि वह अपनी पिछली फिल्म के मुकाबले कुछ हल्का–फुल्का करना चाहती थीं। उन्होंने कहा, 'कॉकटेल 2' बिल्कुल सही समय पर आई। मैं यही चाह रही थी। मैं एक यंग, अर्बन और फन से भरी रोम–कॉम स्पेस में जाना चाहती थी।' उन्होंने आगे कहा, 'हां, यह एक सीक्वल है, लेकिन मेरे हिसाब से यह एक 'वाइब' सीक्वल है। इसकी कहानी पूरी तरह अलग है, किरदार पूरी तरह अलग हैं, और उनकी बैकस्टोरी भी बिल्कुल अलग है।' यह फिल्म 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कॉकटेल 2 एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है। कॉकटेल 2 साल 2012 में आई फिल्म कॉकटेल का सीक्वल है। कॉकटेल 2 में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना जैसे एक्टर लीड रोल में हैं।

> एनर्जी के रूप में इस्तेमाल करने पर मजबूर करना होता है। इसमें आमतौर पर रोज के खाने में 500–1000 कैलोरी कम की जाती है, जिससे हर सप्ताह लगभग 1 किलो वजन कम हो सकता है।

## 'तुमपे ही प्यार आ गया अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की केमिस्ट्री ने जीता दिल

बॉलीवुड में रोमांटिक गानों का अपना एक अलग ही जादू होता है, और इसी जादू को एक बार फिर से जिंदा किया है फिल्म जिनी वेडस सनी 2' के नए गाने 'तुमपे ही प्यार आ गया' ने। फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में इस सॉफ्ट और दिल को छू लेने वाले ट्रैक को रिलीज किया है, जो प्यार के शुरुआती एहसास और दोस्ती से मोहब्बत तक के खूबसूरत सफर को बेहद सादगी और गहराई से दर्शाता है। इससे पहले फिल्म के गाने 'छाप तिलक' और 'ऐ खुदा' ने दर्शकों के बीच अच्छी पकड़ बनाई थी, वहीं 'तुमपे ही प्यार आ गया' अपने भावनात्मक स्पर्श और मधुर संगीत के चलते एक अलग पहचान बना रहा है। यह गाना उन लोगों के लिए खास है, जिनकी प्रेम कहानी दोस्ती से शुरू होकर धीरे–धीरे प्यार में बदल जाती है। गाने के वीडियो में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की जोड़ी ने स्क्रीन पर कमाल कर दिया है। दोनों की केमिस्ट्री बेहद नेचुरल और दिलकश लगती है, जो दर्शकों को उनसे जोड़ने में कामयाब होती है। उनके बीच का सहजपन और मासूमियत इस गाने को और भी खास बनाती है। इस खूबसूरत गाने को अपनी आवाज दी है मशहूर सिंगर सोनू निगम ने, जिनकी सोलफुल सिंगिंग हर बार की तरह इस ट्रैक को एक अलग ऊंचाई पर ले जाती है। गाने का म्यूजिक सुषांत–शंकर की जोड़ी ने कंपोज किया है, जबकि इसके बोल कुमार ने लिखे हैं, जो सीधे दिल को छूते हैं। गाने को लेकर अविनाश तिवारी ने कहा, "यह ऐसा गाना है जो धीरे–धीरे लोगों के दिल में बस जाएगा। खासकर उन लोगों के लिए यह बेहद रिलेटेबल है, जिनकी लव स्टोरी दोस्ती से शुरू हुई है। सोनू निगम सर की आवाज ने इस गाने को और भी खास बना दिया है। वहीं मेधा शंकर ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, "जब मैंने पहली बार यह गाना सुना, तो कई मीठी भावनाएं एक साथ महसूस हुईं। यह सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि प्यार के अलग–अलग रंगों को दिखाने वाला एक खूबसूरत एहसास है। सोनू निगम सर का हमारी फिल्म के लिए गाना गाना मेरे लिए एक सपना पूरा होने जैसा है। म्यूजिक डायरेक्टर सुषांत–शंकर ने बताया, इस गाने का मकसद श्रोताओं के दिल में प्यार के पूरे सफर को जिंदा करना था। उन्होंने उम्मीद जताई कि दर्शक इस गाने को उतना ही प्यार देंगे जितना उन्होंने इसे बनाते वक्त महसूस किया। जिनी वेडस सनी 2', जिसे जी स्टूडियोज और साउंड्र्या प्रोडक्शन प्रस्तुत कर रहे हैं, का निर्माण विनोद बच्चन और उमेश कुमार बंसल ने किया है। फिल्म को प्रशांत झा ने लिखा और निर्देशित किया है। यह फिल्म 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिलहाल, 'तुमपे ही प्यार आ गया' गाना सोनी म्यूजिक पर रिलीज हो चुका है और सभी प्रमुख म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। यह गाना निश्चित रूप से इस सीजन का नया रोमांटिक एंथम बनने की पूरी क्षमता रखता है।

# ऐसा लगा वो मेरे साथ चल रहा है... सुशांत सिंह राजपूत की बहन को महसूस हुई अपनी भाई की मौजूदगी

दिवंगत बॉलीवुड स्टार सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति ने अपने दिवंगत भाई की मौजूदगी अपने आस–पास महसूस करने का एक भावुक अनुभव साझा किया, जब उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य और आंतरिक शांति को समर्पित एक नई यात्रा शुरू की। श्वेता ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बताया कि उन्होंने हाल ही में एक नई प्रॉपर्टी खरीदी है, जिसे उन्होंने उन लोगों के लिए एक आश्रम के रूप में सोचा है जो मानसिक शांति की तलाश में हैं। श्वेता ने आगे बताया कि कैसे उनके दिवंगत भाई सुशांत सिंह राजपूत ने यह सुनिश्चित किया कि जब वह अपनी नई यात्रा शुरू कर रही थीं, तो उनकी मौजूदगी महसूस हो। उन्होंने साझा किया–प्रॉपर्टी की ओर जाते समय, कुछ ऐसा हुआ जिसने मुझे अंदर तक छू लिया... भाई की फिल्म श्काई पो चे!श का गाना मांझा बजने लगा। मैं अपने आंसू नहीं रोक पाई। ऐसा लगा जैसे वह वहीं मौजूद हों। जैसे वह चुपचाप मेरे साथ इस रास्ते पर चल रहे हों... मेरा मार्गदर्शन कर रहे हों... इस नई शुरुआत को आशीर्वाद दे रहे हों। गाने मांझा की बात करें तो, यह सुशांत की पहली फिल्म श्काई पो चे! का गाना है। इस अनुभव से भावुक होकर, श्वेता ने अब फैसला किया है कि इस आश्रम में उनके भाई सुशांत को समर्पित एक खास जगह होगी, जिसका नाम सुशांत्स केबिन होगा। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा– और उस पल, मुझे एहसास हुआ...जब यह आश्रम अपने दरवाजे खोलेगा, तो वहां एक ऐसी जगह होगी जो प्यार और यादों से भरी होगी... सुशांत्स केबिन। उनका एक हिस्सा, जो हमेशा मौजूद रहेगा। हमेशा जीवित रहेगा। श्वेता ने अपनी नई प्रॉपर्टी के बारे में बताते हुए लिखा–मैं अपने बड़े परिवार के साथ एक खुशखबरी साझा करना चाहती थी... आज, मुझे उस जगह की चाबियां मिलीं जो लंबे समय से मेरे दिल में बसी हुई थी... द शास्ता सैंक्चुअरी और जो बात इसे और भी पवित्र बनाती है, वह यह है कि आज वैदिक नव वर्ष है, जो नई शुरुआत का दिन होता है... ऐसा लगता है जैसे ब्रह्मांड ने मुझे कुछ खास तोहफा देने के लिए इसी दिन को चुना। सुशांत सिंह राजपूत के बारे में बात करें तो, इस अभिनेता का निधन 14 जून, 2020 को 34 वर्ष की आयु में हुआ थाय खबरों के अनुसार उन्होंने आत्महत्या कर ली थी। उन्हें टीवी शो पवित्र रिश्ता में मानव के किरदार के लिए सबसे ज्यादा याद किया जाता है। टेलीविजन में काम करने के बाद, इस अभिनेता ने बॉलीवुड में भी अपनी एक खास जगह बनाई।

## कैसी फिल्म बनाना चाहते हैं प्रेम चोपड़ा, देखी धुरंधर बोले– मैं रणवीर सिंह को अक्सर क्लब....

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' साल 2025 में रिलीज हुई थी। इसने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की और कई रिकॉर्ड तोड़े। यह साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बन गई। इसके बाद इसका सीक्वल 'धुरंधर द रिवेंज' 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुआ। यह फिल्म अभी भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। हाल ही में प्रेम चोपड़ा ने बताया कि उन्हें रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर और धुरंधर 2 कैसी लगी। दिग्गज अभिनेता प्रेम चोपड़ा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने 'धुरंधर' का पहला भाग देखा था। उन्हें फिल्म अच्छी लगी, लेकिन यह काफी लंबी थी। फिर भी यह बहुत सफल रही क्योंकि दर्शकों ने इसे खूब पसंद किया। लंबे समय बाद लोग सिनेमाघरों में वापस लौटे। प्रेम चोपड़ा ने फिल्म में रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना के अभिनय की खूब प्रशंसा की। रणवीर सिंह के शुरुआती दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वे उन्हें क्लब में देखते थे जब वे काम की तलाश कर रहे थे। अब उनका अभिनय देखकर वे हैरान रह जाते हैं। वहीं अक्षय खन्ना के किरदार को उन्होंने दर्शकों के दिल छूने वाला बताया। प्रेम चोपड़ा का मानना है कि दूसरे भाग में रणवीर सिंह ने भी शानदार काम किया है। कुल मिलाकर, प्रेम चोपड़ा ने 'धुरंधर' सीरीज की सफलता और कलाकारों के प्रदर्शन की सराहना की है। प्रेम चोपड़ा ने बताया कि सिनेमा दर्शकों की पसंद के अनुसार बनता है। अगर वे हिंसा वाली फिल्में पसंद करते हैं तो फिल्में भी वैसी ही बनती हैं। उन्होंने कहा कि अगर वे खुद फिल्म बनाएंगे तो हिंसा को कम करने की कोशिश करेंगे।

# बर्फीली वादियों में रोमांस, रणबीर-आलिया ने स्विट्जरलैंड में मनाई एनिवर्सरी

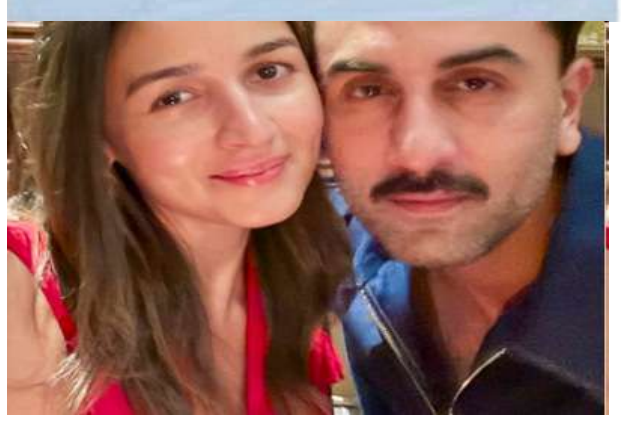

बॉलीवुड के क्यूटेस्ट कपल्स में गिने जाने वाले रणबीर कपूर और आलिया ने 14 अप्रैल 2022 को शादी रचाई थी। आज ये स्टार कपल अपनी 4th वेडिंग एनिवर्सरी मना रहा है, जिसे उन्होंने स्विट्जरलैंड की खूबसूरत बर्फीली वादियों में खास अंदाज में सेलिब्रेट किया। इस खास मौके की झलकियां आलिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फैंस के साथ शेयर की हैं। शेयर की गई तस्वीरों में रणबीर और आलिया बेहद खुश नजर आ रहे हैं। एक फोटो में दोनों साथ में स्माइल करते हुए पोज दे रहे हैं। इस दौरान आलिया ब्लैक स्वेटर में काफी क्यूट लग रही हैं, वहीं रणबीर ग्रे स्वेटर और कैप में स्टाइलिश दिख रहे हैं। एनिवर्सरी ट्रिप के दौरान कपल ने एडवेंचर का भी भरपूर मजा लिया। बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच दोनों ने स्कीइंग की और उसके बाद कैमरे के सामने पोज देते हुए अपनी खुशी जाहिर की। इसके अलावा, कपल ने ठंड के मौसम में गर्मागर्म कॉफी का आनंद भी लिया। एक तस्वीर में दोनों हाथ में कॉफी मग लिए नजर आ रहे हैं, जो उनके रोमांटिक वेकेशन को और खास बना रहा है। आलिया ने अपने पोस्ट में स्विट्जरलैंड की हसीन वादियों की झलक भी दिखाई है, जहां चारों तरफ बर्फ से ढके पहाड़ इस ट्रिप को और भी यादगार बना रहे हैं। स्कीइंग के बाद कपल ने कैंडल लाइट डिनर का लुत्फ उठाया। एक तस्वीर में आलिया टेबल पर सजी मोमबत्तियों और फूलों के साथ नजर आ रही हैं, जिससे उनका डिनर डेट काफी रोमांटिक लग रहा है। आलिया ने एक प्यारी सी झलक भी शेयर की, जिसमें रणबीर अपनी बेटी के साथ समय बिताते दिखाई दे रहे हैं। इस खास पोस्ट के साथ आलिया ने रणबीर के लिए एक भावुक मैसेज भी लिखा, जिसमें उन्होंने साथ बिताए हर छोटे–बड़े पल को खूबसूरत बताया और अपने रिश्ते के लिए प्यार जताया।

## घर पर बनाएं दिल्ली जैसी चटपटी आलू चाट

चटपटी चाट खाने के शौकीन लोगों की कमी नहीं है। लोग अलग–अलग वैरायटी की चटपटी चाट बनाते हैं। वहीं चाट का नाम सुनते ही लोगों के मुंह में पानी आ जाता है। क्योंकि चाट होती ही इतनी टेस्टी है। यह खाने में स्वाद होने के साथ दिल और दिमाग को भी खुश कर देती है। आपने आलू की नॉर्मल चाट और छोले वाली चाट को जरूर खाई होगी। लेकिन क्या आपने झटपट बनने वाली चटपटी क्रिस्पी आलू चाट खाई है। यह टेस्टी होने के साथ परफेक्ट ऐपेटाइजर भी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको चटपटी क्रिस्पी आलू चाट की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री

उबले हुए छोटे आलू– 400 ग्राम
उबला हुआ चना– 1 कप
मीठा दही, फेंटा हुआ– 2 कप
हरी चटनी– 1 कप भौगोलिक संदर्भ
मीठी इमली की चटनी– 1 कप
कटा हुआ प्याज
कटा हुआ धनिया
चाट मसाला
चटपटी क्रिस्पी आलू चाट

आपको सबसे पहले बेकिंग ट्रे को ऑयल की सहायता से चिकना कर लेना है। फिर आसान तरीके से आलू को उबालने के बाद गिलास की मदद से दबाना है। गिलास से दबे हुए आलू पर भी ऑयलिंग कर लें। अब 180 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर 10–12 मिनट तक बेक करने के लिए छोड़ दें।

जब आलू क्रिस्पी हो जाएं, तो चाट बनाना है। इसके लिए आलू को प्लेट में डालकर इसके ऊपर चना, चाट मसाला, दही, मीठी चटनी, हरी चटनी, प्याज और धनिया डाल दें। आप कुछ मनपसंद मसाले डालकर चाट को टेस्टी बना सकती हैं। इस आसान तरीके से आप चटपटी क्रिस्पी आलू चाट बनकर तैयार हो जाएगी।

## कॉम्पैक्ट पाउडर लगाते समय ना करें ये गलतियां, बिगड़ जाएगा पूरा लुक

मेकअप करते समय हम सभी कॉम्पैक्ट पाउडर का इस्तेमाल जरूर करती हैं। यह हम सभी की मेकअप किट का हिस्सा होता ही है। चाहे मेकअप का टचअप करना हो या फिर इंस्टेंट फ्रेश लुक चाहिए, कॉम्पैक्ट पाउडर बेहद ही काम आता है। इसे इस्तेमाल करना बेहद ही आसान लगता है। लेकिन वास्तव में इसे इस्तेमाल करना उतना भी आसान नहीं है, जितना हम सभी समझते हैं। अगर कॉम्पैक्ट पाउडर को गलत तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो इससे मेकअप डल लगने से लेकर केकी मेकअप तक की कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं। जिससे आपका चेहरा काफी अजीब नजर आ सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही कॉम्पैक्ट पाउडर से जुड़ी गलतियों के बारे में बता रहे हैं। मार्केट में कई शेड में कॉम्पैक्ट पाउडर मिलते हैं। लेकिन अगर आप अपनी स्किन टोन से ज्यादा गोरा या ज्यादा डार्क शेड इस्तेमाल करती हैं, तो यह आपके लुक को बिगाड़ सकता है। इससे आपका चेहरा अजीब सा लगने लगता है। इतना ही नहीं, गर्दन और चेहरे का कलर भी मिसमैच हो जाता है, जिससे पूरा मेकअप ही नकली महसूस होता है। आपसे कॉम्पैक्ट पाउडर चुनते समय गलती ना हो, इसलिए उसे अपनी जॉलाइन पर टेस्ट करें। कॉम्पैक्ट पाउडर लगाते समय उसकी मात्रा का ख्याल रखना भी बेहद जरूरी है। अगर आप बार–बार पाउडर लगाती हैं या फिर बहुत ज्यादा कॉम्पैक्ट पाउडर लगाती हैं तो इससे फेस केकी महसूस होता है। साथ ही, फोटोज में मेकअप खराब लगने लगता है। इसलिए, कोशिश करें कि आप कॉम्पैक्ट पाउडर को टी–जोन पर फोकस करके अप्लाई करें।

कॉम्पैक्ट पाउडर लगाते समय गलत टूल का इस्तेमाल करना

कॉम्पैक्ट पाउडर लगाते समय आप किस टूल का इस्तेमाल कर रही हैं, यह भी बहुत मायने रखता है। अगर आप गंदे पफ का इस्तेमाल करती हैं या फिर गलत ब्रश से कॉम्पैक्ट पाउडर लगाती हैं तो इससे पाउडर सही तरह से ब्लेंड नहीं होता है। साथ ही, मेकअप पैची लगता है और अनइवन फिनिश आती है।

रूखी स्किन पर कॉम्पैक्ट पाउडर लगाना

कुछ लोग अपनी रूखी स्किन पर ही कॉम्पैक्ट पाउडर लगा लेते हैं। लेकिन अगर आप बिना मॉइश्चराइज के पाउडर इस्तेमाल करती हैं तो इससे स्किन फ्लेकी और पैची नजर आने लगती है। इतना ही नहीं, रूखी स्किन पर कॉम्पैक्ट पाउडर लगाने से फाइन लाइन्स और रिंकल्स और भी ज्यादा दिखने लगते हैं, जिससे फेस डल नजर आता है। इसलिए, हमेशा पहले मॉइश्चराइजर व हल्का प्राइमर लगाएं और उसके बाद ही कॉम्पैक्ट पाउडर अप्लाई करें।

# पेड़ पर उगने वाली `जलेबी'! सिर्फ 2 महीने बाजार में दिखती है, सेहत के लिए वरदान

आपने जलेबी तो खूब खाई होगी, लेकिन क्या कभी पेड़ पर उगने वाली जलेबी के बारे में सुना है? जी हां, 'जंगल जलेबी' इन दिनों बाजारों में खूब चर्चा में है। खट्टी–मीठे स्वाद वाला यह अनोखा फल न सिर्फ लोगों की पसंद बन रहा है, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाता है। खास बात यह है कि यह साल में केवल 2 महीने ही मिलता है, लेकिन इसके फायदे इतने जबरदस्त हैं कि इसे खाने से शरीर को कई तरह के लाभ मिलते हैं। यही वजह है कि यह फल अब तेजी से लोगों की थाली में अपनी जगह बना रहा है।

कहां मिलती है यह खास 'जलेबी'?

मध्य प्रदेश के विंध्य क्षेत्र के जंगलों में पाए जाने वाले कीकर के पेड़ पर यह फल उगता है, जिसे स्थानीय लोग 'जंगल जलेबी' कहते हैं। खास बात यह है कि यह साल में सिर्फ 2 महीने ही बाजार में नजर आती है, इसलिए इसकी डिमांड भी काफी रहती है।

कैसा होता है जंगल जलेबी का पेड़ और फल?

जंगल जलेबी का पेड़ मध्यम आकार का सदाबहार पेड़ होता है, जो सालभर हरा–भरा रहता है। इसकी सबसे खास पहचान इसकी मुड़ी हुई फलियां होती हैं, जो देखने में बिल्कुल जलेबी जैसी लगती हैं। पकने पर इन फलियों का रंग गुलाबी या लाल हो जाता है, जिससे यह और भी आकर्षक दिखती हैं। इसके अंदर सफेद और मुलायम गूदा होता है, जिसका स्वाद मीठा होने के साथ हल्का खट्टापन लिए होता है। यही स्वाद इसे खास बनाता है। एक फली के अंदर आमतौर पर 8 से 10 बीज पाए जाते हैं, जो इसके प्राकृतिक स्वरूप को दर्शाते हैं।

महिलाओं के लिए बना कमाई का जरिया

सीधी जिले की रहने वाली फूलमती जैसी कई महिलाएं अब जंगल जलेबी बेचकर अपनी आजीविका चला रही हैं। बाजार में इसकी कीमत लगभग 50 से 60 रुपये प्रति किलो है, जिससे उन्हें रोजाना 400 से 500 रुपये तक की कमाई हो जाती है। पहले जहां उन्हें जंगल से लकड़ी इकट्ठा कर बेचनी पड़ती थी, जिसमें मेहनत ज्यादा और आमदनी कम थी, वहीं अब इस फल के जरिए उन्हें कम समय में बेहतर आय मिल रही है। इससे न केवल उनके परिवार का खर्च आसानी से चल रहा है, बल्कि बच्चों की पढ़ाई में भी अच्छी मदद मिल रही है।

सेहत के लिए कितनी फायदेमंद?

आयुर्वेद विशेषज्ञों के अनुसार, जंगल जलेबी कई स्वास्थ्य लाभ देती है

इम्युनिटी सिस्टम मजबूत करती है
पाचन तंत्र को बेहतर बनाती है
त्वचा रोगों में राहत देती है
आंखों की रोशनी सुधारने में मदद
ब्लड शुगर कंट्रोल करने में सहायक
बैड कोलेस्ट्रॉल कम और गुड कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने में मदद।

शहरों में बढ़ी डिमांड

जहां ग्रामीण इलाकों में इसे अभी भी ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता, वहीं शहरों में इसके स्वाद और औषधीय गुणों को लेकर लोगों में तेजी से जागरूकता बढ़ रही है। यही वजह है कि अब यह फल आदिवासी महिलाओं के लिए एक मजबूत आर्थिक सहारा बनता जा रहा है। पेड़ पर उगने वाली 'जंगल जलेबी' सिर्फ स्वाद में ही नहीं, बल्कि सेहत और रोजगार के लिहाज से भी बेहद खास है। सीमित समय के लिए मिलने वाला यह फल अब बाजार में अपनी अलग पहचान बना रहा है।

# तैयारी जीत की नहीं बल्कि तैयारी डायबटीज की... क्या सच में बच्चों के लिए खतरनाक है बॉर्नविटा ?

हर मां– बाप को अपने बच्चे की ग्रोथ की चिंता रहती है। ऐसे में वह हॉर्लिक्स, कॉम्प्लैन और बॉर्नविटा जैसे हेल्थ ड्रिंक पर भरोसा करने लगते हैं, उनके मानना है कि इनसे उनके बच्चे को अच्छी ग्रोथ मिलेगी। टीवी में आने वाली एड को ही देख लीजिए इसमें तन की शक्ति और मन की शक्ति या फिर तैयारी जीत की जैसे स्लोगन सुनने के बाद तो यही लगता है कि वास्तव में यह ड्रिंक तन को शक्ति ही देंगे। हालांकि इन दिनों बॉर्नविटा को लेकर सोशल मीडिया पर खूब बहस देखने को मिल रही है।

बॉर्नविटा को लेकर छिड़ी बहस

एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने बॉर्नविटा पर एक वीडियो बनाकर नई बहस छेड़ दी है। वीडियो में यह शख्स दावा कर रहा है कि बॉर्नविटा में सिर्फ चीनी मिलाई जाती है और ये श्हेल्थ ड्रिंकश नहीं है। मामला इतना बढ़ गया कि कैडबरी ने सोशल मीडिया प्रभावकार रेवंत हिमंतसिंगका को एक कानूनी नोटिस जारी कर दिया। नोटिस मिलते ही शख्स ने तो वीडियो डिलीट कर दी लेकिन यह मुद्दा चर्चा में आ गया।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने किए कई दावे

वीडियो में शख्स कहता सुनाई दे रहा है कि ये प्रोडक्ट भले ही इम्यून सिस्टम और आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने का दावा करता है, लेकिन ये स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। उस शख्स का तो यह भी कहना है कि बॉर्नविटा के पैकेट के पीछे एक कलरिंग एजेंट का नाम लिखा हुआ है, जिसे बॉर्नविटा में मिलाया जाता है और इससे कैंसर होने का खतरा है। वीडियो में तो यह भी कहा गया कि श्बॉर्नविटा की टैगलाइन तैयारी जीत की नहीं बल्कि तैयारी डायबटीज की होनी चाहिएश।

कैडबरी ने दी सफाई

कैडबरी ने इस वीडियो के सामने आने के बाद अपनी सफाई में लिखा– बॉर्नविटा में विटामिन डी, आयरन, जिंक, कॉपर और सेलेनियम है जिससे इम्युनिटी बढ़ती है। सालों से ये बॉर्नविटा का फॉर्मूला है। हमने सालों से पैकेट के पीछे यही कहा, इम्युन सिस्टम की हेल्दी फंशनिंग के लिए मददगार.। कंपनी ने यह भी कहा कि– 200 उस गर्म या ठंडे दूध में बॉर्नविटा मिलाकर पीने की सलाह दी जाती है. पर सर्विंग 7.5 ग्राम चीनी होती है यानि 1.5 चम्मच. बच्चों को इससे ज्यादा ही डेली चीनी रेकमेंड की जाती है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स?

अब सोशल मीडिया पर बॉर्नविटा को लेकर बहस छिड़ गई है। एक यूजर ने लिखा, कोई भी पैकेज्ड प्रोडक्ट में ये चीजें होती हैं और खासकर बच्चों को इनसे दूर रखना चाहिए। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि ये दावे गलत हैं। एक्सपर्ट्स की भी मानें तो बच्चों के दो साल के होने से पहले, उन्हें दूध में बॉर्नविटा, हॉर्लिक्स और कॉम्प्लैन जैसे ड्रिंक नहीं पिलाने चाहिए। इनमें कई तरह के विटामिन और अन्य चीजें होती हैं जो बच्चे के लिए सुरक्षित नहीं हो सकती हैं।

इस तरह के ड्रिंक्स को लेकर जान लें ये बातें

–चीनी का अत्यधिक मात्रा होने के चलते इसके इस्तेमाल से दांतों से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं।

–इस तरह की ड्रिंक्स पीने से तुरंत एनर्जी मिलती है क्योंकि इनमें शुगर की मात्रा अधिक होती है लेकिन बाद में थकान महसूस होने लगती है।

–जो कोई भी यह सोचता है कि इसे पीने से उसकी हाइट बढ़ जाएगी, तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। किसी भी पैकेट पर यह बिलकुल भी नहीं लिखा है कि इसे पीने से आपकी हाइट बढ़ जाएगी।

–इस तरह की ड्रिंक्स डायबिटीज, हाई ट्राइग्लिसराइड लेवल मोटापे और मेटाबोलिक सिंड्रोम से पीड़ितों के लिए बेहतर विकल्प नहीं है।

# पोषण का पावरहाउस है ये 5 हेल्दी ब्रेकफास्ट, बच्चों को बनाकर जरूर खिलाएं

बच्चों के लिए नाश्ते में क्या बनाएं? उनके टिफिन में क्या पैक करके दें? यह सवाल हर मां के लिए एक बड़ी सिरदर्दी है। सिर्फ मां ही नहीं, बल्कि हर व्यक्ति के लिए भी यह सवाल एक बड़ी उलझन है कि रोज सुबह नाश्ते में क्या बनाया जाए, जो खाने में टेस्टी और सेहत के लिए अच्छा हो। चलिए आपकी इस सिरदर्द को खत्म कर देते हैं। आज हम आपके लिए नाश्ते के पांच ऐसे बेहतरीन विकल्प लेकर आए हैं, जो स्वाद और सेहत से भरपूर हैं।

बेसन चीला

सब्जियों से भरपूर यह चीला स्वाद और सेहत का मेल है। इसे बनाने के लिए एक कटोरे में कद्दूकस की हुई लौकी, गाजर, हरा धनिया, अजवाइन, नमक, दही, बेसन और छाछ (या दही–पानी का मिश्रण) डालकर एक चिकना घोल तैयार कर लें। अब एक गर्म तवे पर इस घोल को फैलाएं और दोनों तरफ से सुनहरा होने तक अच्छी तरह सेक लें।

रागी के चॉकलेटी पैनकेक

अगर बच्चों को मीठा पसंद है, तो रागी पैनकेक एक शानदार विकल्प है। रागी के आटे में कोको पाउडर, बेकिंग सोडा, बेकिंग पाउडर, मैश किए हुए केले, घी, दूध और वनीला एसेंस मिलाकर एक गाढ़ा घोल बना लें। तवे पर थोड़ा घी लगाकर छोटे–छोटे पैनकेक तैयार करें। इसे मेपल सिरप और केले के टुकड़ों के साथ परोसें।नाश्ते के आहार

प्रोटीन से भरपूर मसूर दाल वेफल्स

मसूर दाल को दूध और खजूर के साथ रात भर भिगोकर रखें। सुबह इसे पीस लें और इसमें थोड़ा बेकिंग पाउडर और नमक मिलाएं। वेफल मेकर को मक्खन से ग्रीस करें और इस घोल को डालकर कुरकुरे वेफल्स तैयार करें। ताजे फलों और मेपल सिरप के साथ यह नाश्ता बच्चों को खूब पसंद आएगा।

पालक और सत्तू का ढोकला

पालक, धनिया, अदरक और मिर्च का पेस्ट तैयार करें। अब सूजी, सत्तू, दही, नमक और इस पेस्ट को पानी के साथ मिलाकर घोल बना लें। अंत में थोड़ा ईनो डालकर अच्छी तरह मिलाएं और 20 मिनट तक भाप में पकाएं। ऊपर से राई और कढ़ी पत्ते का तड़का लगाकर इसे और भी स्वादिष्ट बनाएं।

अंकुरित मूंग की इडली

अंकुरित हरी मूंग को अदरक, धनिया, सूजी, दही और नमक के साथ मिलाकर पीस लें। इस मिश्रण में ईनो और थोड़ा पानी मिलाकर अच्छी तरह फेंटें। अब इडली स्टैंड में थोड़ा तेल लगाएं और इस घोल को डालकर 15 मिनट तक स्टीम करें। यह हल्का और प्रोटीन युक्त नाश्ता दिन की शुरुआत के लिए बेहतरीन है।

## संक्षिप्त

### तेल कंपनियों का घाटा बढ़ा, पेट्रोल पर 18 डीजल पर 35 रुपये/लीटर का नुकसान, चुनाव के बाद समीक्षा संभव

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव के बाद सरकार कर सकती है पेट्रोल–डीजल कीमतों की समीक्षा कर सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमतों में तेज उतार–चढ़ाव के बावजूद सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इससे उनके मार्जिन पर दबाव बढ़ गया है। तेल कंपनियों को पेट्रोल पर लगभग 18 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर करीब 35 रुपये प्रति लीटर तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। मार्च में हुए भारी घाटे ने जनवरी और फरवरी के मुनाफे को लगभग खत्म कर दिया है, जिसके चलते जनवरी–मार्च तिमाही में इन कंपनियों के नुकसान में जाने की आशंका जताई जा रही है। वित्तीय सेवा कंपनी मैक्वेरी की रिपोर्ट के अनुसार, कच्चे तेल की कीमत 135–165 डॉलर प्रति बैरल रहती है तो यह घाटा और बढ़ने की आशंका है। क्रूड में हर 10 डॉलर की बढ़ोतरी से प्रति लीटर नुकसान करीब 6 रुपये तक बढ़ सकता है। इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने अप्रैल 2022 के बाद खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। मार्च तक तीनों कंपनियों का संयुक्त दैनिक नुकसान करीब 2,400 करोड़ रुपये था। केंद्र सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती के बाद ये घटकर रोजाना लगभग 1,600 करोड़ रह गया है। भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद कच्चे तेल के झटकों को काफी हद तक संभाल सकती है। हालांकि, अगर औसत मूल्य 130 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना रहता है तो देश की आर्थिक वृद्धि दर लगभग 0.8 फीसदी कम हो सकती है। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी के अनुसार, 2026–27 के दौरान तेल कंपनियों की परिचालन आय में 15 से 25 फीसदी तक गिरावट आ सकती है। इसके चलते कॉरपोरेट कर्ज और बैंकिंग क्षेत्र पर दबाव बढ़ सकता है। बैंकों का एनपीए बढ़कर 3.5 फीसदी तक पहुंच सकता है।

### एशेज के दौरान कोच मैकुलम से थे स्टोक्स के मतभेद? इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान ने तोड़ी चुप्पी

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने एशेज सीरीज के दौरान कोच ब्रेंडन मैकुलम से मतभेद की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि यह कहना बेहद अतिशयोक्तिपूर्ण है।

स्टोक्स और मैकुलम 2022 से एक–दूसरे का अच्छा साथ निभा रहे हैं, लेकिन एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया से 1–4 से हारने पर उन्हें करार झटका लगा। हार के बाद दोनों ने एक–दूसरे का समर्थन किया, लेकिन एशेज की समीक्षा से तनाव के संकेत मिले। स्टोक्स संभलकर खेलना चाहते थे, जबकि मैकुलम आक्रामक रवैया बरकरार रखना चाहते थे। स्टोक्स ने कहा, यह कहना कि हम एकमत नहीं थे, मुझे लगता है कि यह एक बहुत बड़ी अतिशयोक्ति है। जब आप किसी और के साथ नेतृत्व की स्थिति में होते हैं और तब अगर कोई यह सोचता है कि आप हमेशा हर बात पर सहमत होंगे तो यह बिल्कुल असंभव है। उन्होंने कहा, भले ही मेरे और ब्रेंडन के विचार मिलते हैं लेकिन कुछ मामलों में हम अलग भी हैं। हम 95 प्रतिशत बातों पर सहमत होते हैं, लेकिन जिन पांच प्रतिशत बातों पर हमारे विचार अलग होते हैं, हम उन पर चर्चा करते हैं और आखिर में उस मुकाम पर पहुंच जाते हैं जहां हमें होना चाहिए।

### भारत के निर्यात में शानदार बढ़ोतरी, लेकिन पश्चिम एशिया संकट ने दिखाया असर

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्तीय वर्ष 2025–26 में भारत का कुल निर्यात 4.22 प्रतिशत बढ़कर 860 अरब डॉलर के शानदार स्तर पर पहुंच गया है, लेकिन पश्चिम एशिया संकट के कारण मार्च महीने में देश के व्यापार को तगड़ा झटका लगा है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल द्वारा जारी व्यापारिक आंकड़ों के अनुसार, मध्य पूर्व में संघर्ष के चलते मार्च में कुल निर्यात 7.44 प्रतिशत तक गिर गया है। इन वैश्विक चुनौतियों और

उतार–चढ़ाव के बीच एक राहत भरी खबर यह है कि भारत और ब्रिटेन के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौता (थ्ज्।) मई महीने में लागू होने की उम्मीद है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025–26 में भारत का व्यापारिक प्रदर्शन कुल मिलाकर सकारात्मक रहा है। देश का कुल निर्यात (वस्तुओं और सेवाओं को मिलाकर) 4.22 प्रतिशत बढ़कर 860 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। अगर इसे अलग–अलग देखा जाए, तो वस्तुओं का निर्यात 1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 441.78 अरब डॉलर रहा, जबकि सेवाओं का निर्यात लगभग 418.31 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। निर्यात के साथ–साथ आयात में भी इजाफा हुआ है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, साल 2025–26 के दौरान कुल आयात 774.98 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो कि पिछले साल के 721.2 अरब डॉलर के मुकाबले अधिक है।

# आईपीएल के चलते-फिरते पांच सितारा होटल!, टीम बस की कीमत करोड़ों में, पर इसका अंदरूनी सच जानकर रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 में अगर आप सोचते हैं कि टीम बस सिर्फ खिलाड़ियों को होटल से स्टेडियम तक ले जाने का जरिया होती है, तो आप गलत हैं। ये बसें असल में चलते–फिरते फाइव स्टार होटल हैं, जिन्हें खास तौर पर खिलाड़ियों की सुविधा, आराम और सुरक्षा को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाता है। इन बसों में खिलाड़ियों को वही सुविधाएं मिलती हैं, जो किसी लग्जरी लाउंज या प्राइवेट स्पेस में मिलती हैं।

कितनी होती है आईपीएल टीम बस की कीमत?

आईपीएल टीम बस की कीमत साधारण बसों से कई गुना ज्यादा होती है। एक फ्रेंचाइजी अपनी जरूरत, कस्टमाइजेशन, ब्रांडिंग और टेक्नोलॉजी के आधार पर एक बस पर लगभग 70 लाख से 1.5 करोड़ रुपये तक खर्च करती है। यानी औसतन देखा जाए तो एक बस की कीमत करीब एक करोड़ रुपये के आसपास होती है। जितना ज्यादा लग्जरी और हाई–टेक फीचर्स, उतनी ही ज्यादा इसकी कीमत बढ़ती जाती है।

क्यों इतनी महंगी होती हैं ये बसें?

ये बसें आम कमर्शियल कोच जैसी नहीं होतीं। इन्हें पूरी तरह से मॉडिफाई किया जाता है। टीमें प्रीमियम बस मैन्युफैक्चरर्स के साथ मिलकर इनका इंटीरियर डिजाइन करती हैं, ताकि खिलाड़ियों को यात्रा के दौरान आरामदायक और रिलैक्स माहौल मिल सके। इसमें एडवांस सीटिंग सिस्टम, हाई–टेक एंटरटेनमेंट और स्मूद ट्रैवल के लिए बेहतर सस्पेंशन भी हैं। इन सभी चीजों की वजह से लागत काफी बढ़ जाती है।

ब्रांडिंग भी बढ़ाती है कीमत

आईपीएल में हर चीज ब्रांडिंग से जुड़ी होती है और टीम बस भी इसका अहम हिस्सा है। हर बस को टीम के रंग, स्पॉन्सर लोगो और खिलाड़ियों की तस्वीरों से सजाया जाता है। इससे यह सिर्फ ट्रांसपोर्ट नहीं रहती, बल्कि पूरे सीजन के दौरान फ्रेंचाइजी की चलती–फिरती पहचान बन जाती है।

बस के अंदर मिलती हैं ये शानदार सुविधाएं

अगर आप आईपीएल टीम बस के अंदर जाएं, तो यह किसी लग्जरी लाउंज से कम नहीं लगेगी। खिलाड़ियों के लिए इसमें चौड़ी और रिक्लाइनिंग सीट्स, एक्स्ट्रा लेगरूम, पर्सनल चार्जिंग पोर्ट और कभी–कभी मसाज फंक्शन वाली सीट्स मिलती हैं। इसके अलावा बस में हाई–स्पीड वाई–फाई, एलईडी स्क्रीन और प्रीमियम साउंड सिस्टम भी लगी होती हैं। कई टीम बसों में मिनी फ्रिज भी होते हैं, जिनमें ड्रिंक्स रखे जाते हैं। साथ ही एम्बिएंट लाइटिंग और क्लाइमेट कंट्रोल सिस्टम खिलाड़ियों को हर मौसम में आरामदायक माहौल देता है।

मैच के दिन सुरक्षा का खास इंतजाम

इन बसों की कीमत ज्यादा होने का एक बड़ा कारण सुरक्षा भी है। मैच के दिन टीम बसें कड़ी सुरक्षा के बीच चलती हैं और कई बार पुलिस एस्कॉर्ट भी साथ होता है। रूट पहले से प्लान किए जाते हैं ताकि ट्रैफिक या देरी की समस्या न हो और टीम समय पर स्टेडियम पहुंचे।

एक नहीं, कई बसों का इस्तेमाल

अक्सर फ्रेंचाइजी एक से ज्यादा बसों का इस्तेमाल करती हैं। एक बस खिलाड़ियों के लिए और दूसरी सपोर्ट स्टाफ के लिए। इसके अलावा तीसरी बस भी होती है, जो उपकरणों (इक्विपमेंट) के लिए होती है। इससे टीम का मूवमेंट बेहतर और व्यवस्थित रहता है।

ड्रेसिंग रूम का एक्सटेंशन बन चुकी हैं बसें

समय के साथ आईपील बसें सिर्फ ट्रांसपोर्ट का साधन नहीं रहीं, बल्कि ड्रेसिंग रूम का एक्सटेंशन बन गई हैं। खिलाड़ी इन बसों में मैच रणनीति पर चर्चा करते हैं, म्यूजिक सुनते हैं और एक–दूसरे के साथ समय बिताते हैं। तेज रफ्तार वाले आईपीएल सीजन में ये छोटे–छोटे सफर भी टीम बॉन्डिंग के लिए बेहद अहम हो जाते हैं।

आईपीएल इकोसिस्टम का अहम हिस्सा

आज के दौर में आईपीएल फ्रेंचाइजी की वैल्यू और फैन एंगेजमेंट लगातार बढ़ रही है। ऐसे में ये लग्जरी बसें सिर्फ सुविधा नहीं, बल्कि टीम की पहचान, ब्रांड वैल्यू और परफॉर्मेंस का भी हिस्सा बन चुकी हैं।

# इधर चहल विवादों में फंसे : उधर धनश्री ने फोटोज से इंटरनेट पर लगाई आग, अपारशक्ति-श्रेष्ठा के साथ डांस देखा क्या ?

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल इन दिनों विवादों में फंसे हुए हैं। एक्ट्रेस तानिया चटर्जी को उन्होंने कथित तौर पर इंस्टाग्राम पर श्क्यूटश लिखा मैसेज भेजा था, जिसको इस अभिनेत्री ने वायरल कर दिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया।

अब चहल की एक्स–वाइफ और डांसर–इन्फ्लुएंसर धनश्री वर्मा ने अपने लेटेस्ट लुक से इंटरनेट पर आग लगा दिया है। चॉकलेट ब्राउन गाउन में उनकी ग्लैमरस तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस उनके इस अंदाज के दीवाने हो गए हैं। इतना ही नहीं, धनश्री ने अभिनेता अपारशक्ति खुराना और श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा अय्यर के साथ डांस कोलैबोरेशन का वीडियो भी शेयर किया है। उनकी इन तीन हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट ने मानो इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है।

धनश्री ने गाउन में फोटो पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा, श्आप खुद को व्यक्त करें, मैंने तो किया है।श यह वर्डप्ले न सिर्फ उनके आउटफिट से मेल खाता है, बल्कि उनके कॉन्फिडेंस और स्टाइल को भी बखूबी दर्शाता है। पोस्ट देखने से पहले ही यह कैप्शन फैंस का ध्यान खींच लेता है।

धनश्री का यह चॉकलेट ब्राउन हल्टर–नेक कटआउट मैक्सी ड्रेस उनके पूरे लुक का सेंटर ऑफ अट्रैक्शन रहा। यह आउटफिट न सिर्फ उनके फिगर को हाइलाइट करता है, बल्कि एक बोल्ड और क्लासी वाइब भी देता है। गाउन का रंग और डिजाइन मिलकर ऐसा इम्पैक्ट छोड़ते हैं कि नजरें हटाना मुश्किल हो जाता है।

धनश्री के इस लुक में बैलेनसियागा का मिनी बैग भी शामिल था। यह बैग भले ही छोटा था, लेकिन इसने पूरे लुक में एक सटल लग्जरी एलिमेंट जोड़ दिया, जो स्टाइल को और ऊंचा ले गया। धनश्री के हेयरस्टाइल ने भी उनके लुक को पूरा किया। इस पोस्ट पर फैंस के साथ–साथ कई सेलिब्रिटीज ने भी रिएक्ट किया। क्रिकेटर श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा अय्यर ने कमेंट सेक्शन में फायर इमोजी के साथ अपना रिएक्शन दिया, जो तेजी से वायरल हो गया।

अपारशक्ति और श्रेष्ठा के साथ किया डांस

धनश्री ने अभिनेता अपारशक्ति खुराना के साथ डांस वीडियो भी शेयर किया है। इतना ही नहीं, उन्होंने मित्ता रोड़ और स्वरा वर्मा के सुपरहिट सॉन्ग श्शीशाश पर श्रेष्ठा अय्यर के साथ डांस किया।

दोनों का कोलैब भी सुपरहिट रहा और फैंस डांस की तारीफ भी कर रहे हैं। चहल से तलाक के बाद धनश्री इन दिनों अपने डांस पर खूब ध्यान दे रही हैं। वहीं, चहल आईपीएल में व्यस्त हैं।

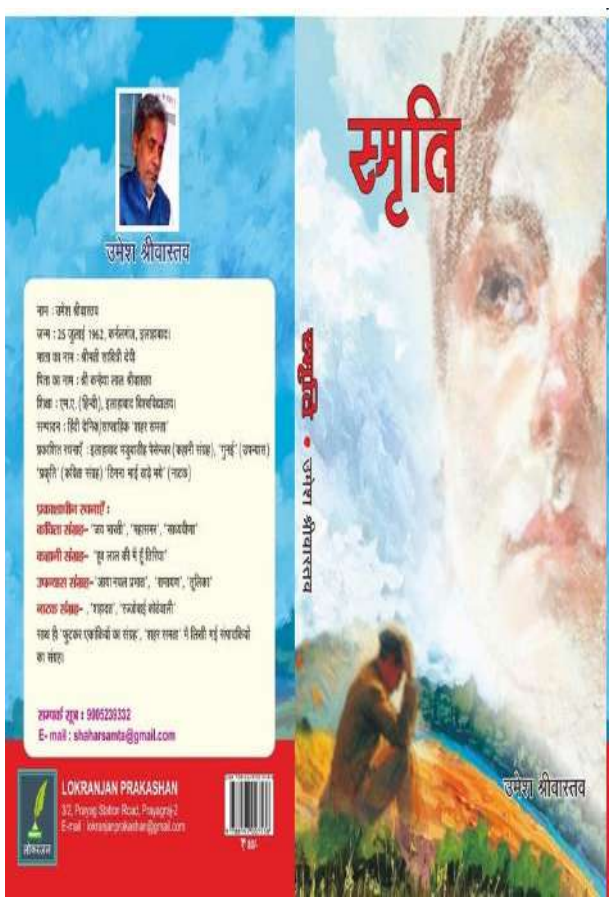


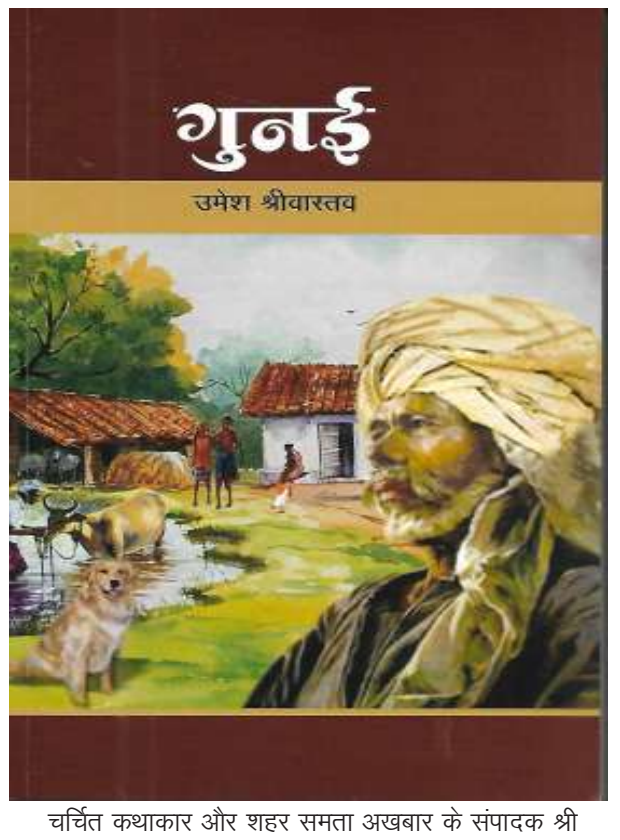


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

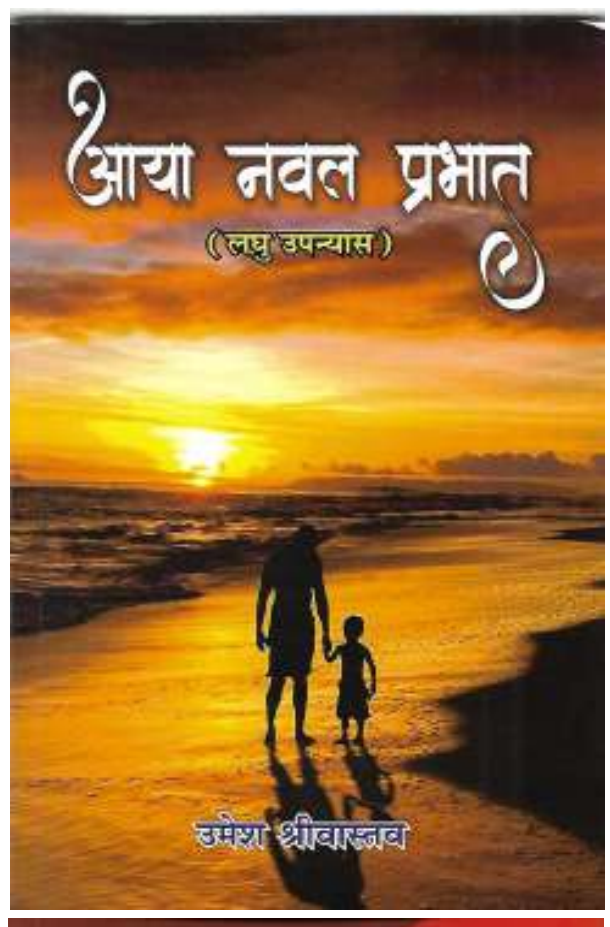


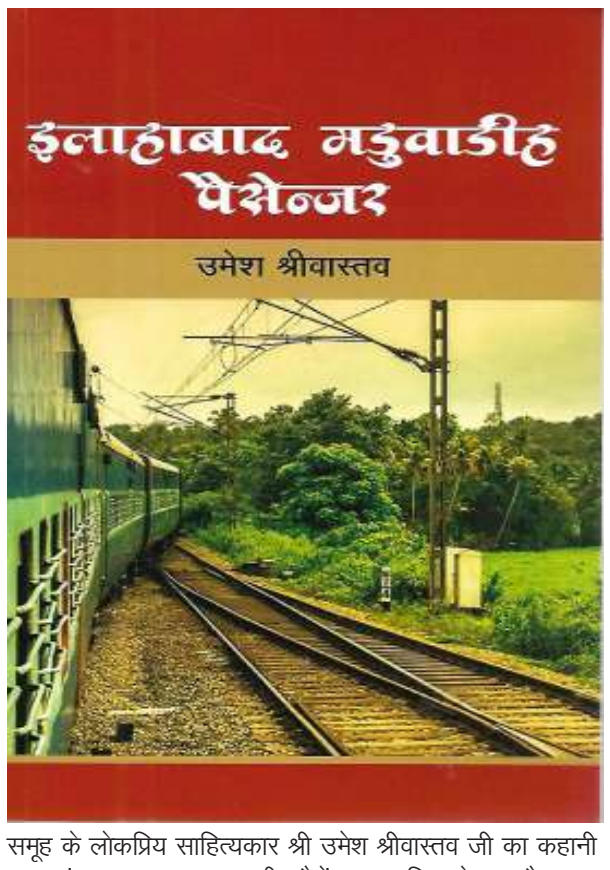


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

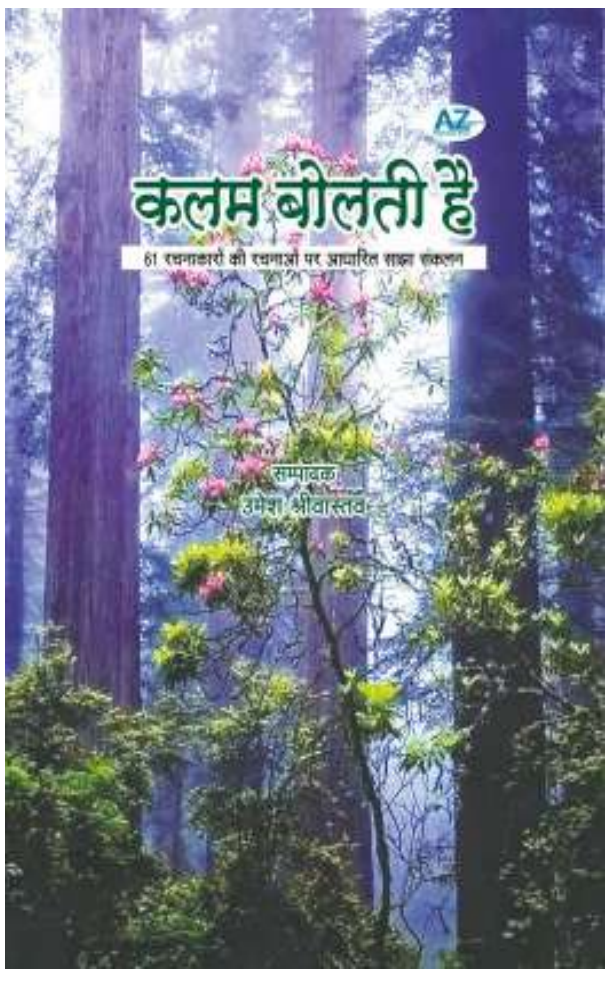


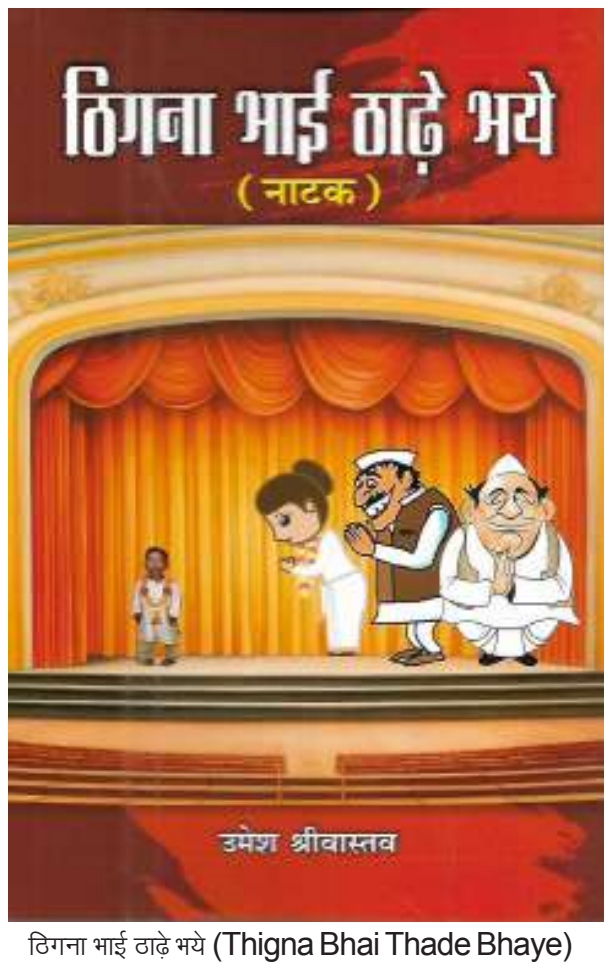


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

## संक्षिप्त

### अरुणाचल प्रदेश को बताया अपना हिस्सा, भारत के दो टूक जवाब से बीजिंग को लगी मिर्ची

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने एक बार फिर अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताने की हिमाकत की है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने मंगलवार को बेशर्मी की हदें पार करते हुए एक बार फिर दावा किया कि अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के नामों को बदलना चीन की संप्रभुता के दायरे में आता है। उन्होंने कहा कि हमने कभी भी अरुणाचल प्रदेश को मान्यता नहीं दी। भारत की ओर से इस दावे को पहले ही दो टूक शब्दों

में खारिज किया जा चुका है, तो चीन को इस बात पर मिर्ची लगना तय माना जा रहा था। भारतीय विदेश मंत्रालय ने 12 अप्रैल को ही चीन के इससे पहले दिए गए बयान पर बीजिंग को दो टूक जवाब दिया था। भारत सरकार ने इस चीनी विदेश मंत्रालय की इस ओछी हरकत को दोनों देशों के बीच संबंधों को स्थिर करने के प्रयासों को कमजोर करने वाला बताया था। दरअसल, चीन ने 10 अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश की कुछ जगहों के नाम जारी करने की कोशिश की थी। इसके जवाब में भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि इस तरह की हरकतें भ्रामक और निरर्थक हैं और भारत इन्हें पूरी तरह अस्वीकार करता है। मंत्रालय के अनुसार, चीन का यह कदम गलत और बिना आधार का है। भारत ने दो टूक शब्दों में कहा कि अरुणाचल प्रदेश हमेशा से देश का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा रहा है और रहेगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि वर्तमान में चीन–भारत संबंध आम तौर पर स्थिर हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि बीजिंग की भारत–चीन संबंधों को बेहतर बनाने और विकसित करने की नीति अपरिवर्तित है। यह मामला भारत और चीन के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद का एक और पहलू है, जो दोनों देशों के बीच तनाव का एक संवेदनशील बिंदु बना हुआ है। चीन द्वारा अपने नक्शे में भारतीय क्षेत्रों को शामिल करने और उनके नाम बदलने की कार्रवाई अक्सर विवादों को जन्म देती है। भारत लगातार इन दावों को खारिज करता रहा है और अरुणाचल प्रदेश को अपना अभिन्न अंग बताता रहा है।

### अमेरिकी सीनेटर ने ट्रंप से ओपीटी कार्यक्रम खत्म करने की अपील की

वॉशिंगटन। अमेरिका में विदेशी छात्रों से जुड़े एक अहम वर्क परमिट कार्यक्रम को लेकर सियासत तेज हो गई है। रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से श्ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी)श प्रोग्राम को खत्म करने की अपील की। उनका दावा है कि यह योजना अमेरिकी युवाओं के रोजगार पर असर डाल रही है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा बन सकती है, खासकर चीन के संदर्भ में। सीनेटर स्कॉट ने

राष्ट्रपति ट्रंप को लिखे पत्र में कहा कि यह कार्यक्रम तुरंत ध्यान देने वाला मुद्दा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विदेशी छात्रों को मिलने वाले ये वर्क परमिट न सिर्फ अमेरिकी ग्रेजुएट्स के नौकरी के अवसर कम करते हैं, बल्कि इनका दुरुपयोग भी हो रहा है। स्कॉट ने खासतौर पर चीन का जिक्र करते हुए कहा कि यह एक श्स्वयं घोषित दुश्मन देशश है, जो इस व्यवस्था का फायदा उठा सकता है। उन्होंने बताया कि अमेरिका में युवा ग्रेजुएट्स की नौकरी की स्थिति पहले जैसी नहीं रही। पहले नए ग्रेजुएट्स की बेरोजगारी दर आम लोगों से कम होती थी, लेकिन 2020 के बाद से यह स्थिति बदल गई है। खासकर एसटीईएम (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ्स) क्षेत्र में हालात और चिंताजनक बताए गए हैं। उनके मुताबिक, कंप्यूटर इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स की बेरोजगारी दर आम दर से लगभग दोगुनी है, जबकि कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट्स में यह 50 प्रतिशत ज्यादा है। सीनेटर रिक स्कॉट ने दावा किया कि ओपीटी प्रोग्राम इस समस्या को और बढ़ा रहा है। उनके अनुसार, इस समय 5 लाख से ज्यादा छात्र वीजा धारकों के पास ओपीटी वर्क परमिट हैं, जो उन्हें पढ़ाई के बाद भी अमेरिका में काम करने और अमेरिकी युवाओं से प्रतिस्पर्धा करने के मौके देता है। राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए सीनेटर स्कॉट ने कहा कि यह सिस्टम जासूसी और तकनीकी जानकारी के ट्रांसफर के लिए भी इस्तेमाल हो सकता है। उन्होंने बताया कि करीब 33,000 चीनी नागरिक एसटीईएम ओपीटी के तहत अमेरिका में काम कर रहे हैं, जिनमें से कई विश्वविद्यालयों और बड़ी टेक कंपनियों में काम करते हैं, जहां उन्हें संवेदनशील तकनीकी जानकारी तक पहुंच मिलती है। इसके अलावा, सीनेटर स्कॉट ने कहा कि ओपीटी प्रोग्राम का कोई स्पष्ट कानूनी आधार नहीं है और यह केवल नियमों के जरिए बनाया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एसटीईएम ओपीटी विस्तार, एच–1बी वीजा की सीमाओं को दरकिनार करने का एक तरीका है।

### अमेरिका अभी पीछे हटा तो तेहरान को संभलने में लगेंगे 20 साल, ईरान युद्ध को लेकर ट्रंप का बड़ा दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी संघर्ष को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि अगर अमेरिका इस समय अपनी कार्रवाई रोक देता है, तो ईरान को दोबारा खड़ा होने में करीब 20 साल लग सकते हैं। ट्रंप ने इस दावे के साथ संकेत दिया कि अमेरिकी दबाव और सैन्य रणनीति ने ईरान की क्षमताओं को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। फॉक्स न्यूज के कार्यक्रम को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि मौजूदा हालात में अमेरिका की कार्रवाई निर्णायक स्थिति में पहुंच चुकी है।


### आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227


# ईरान में जंग के बीच बदलाव की आहट, खबर में दावा– होर्मुज पर है यूरोप की नजर, यूएस–इस्राइल के बिना कौन सी रणनीति ?

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ती तनातनी और होर्मुज स्ट्रेट पर मंडराते खतरे ने वैश्विक ताकतों को नए फैसले लेने पर मजबूर कर दिया है। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे चले टकराव के बाद अब यूरोपीय देश खुलकर अपनी अलग रणनीति गढ़ने में जुट गए हैं, जिससे ट्रांस–अटलांटिक गठजोड़ में भी दरार के संकेत दिखने लगे हैं। इस बात को ऐसे समझिए कि यूरोपीय देश अमेरिका और ईरान के बीच एक महीने से ज्यादा समय तक चले संघर्ष के बाद होर्मुज स्ट्रेट को लेकर एक योजना तैयार कर रहे हैं।

यह योजना बिना अमेरिकी दखल के समुद्री रास्तों को सुरक्षित करने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है। इससे ट्रांस–अटलांटिक रिश्तों में खिंचाव साफ दिख रहा है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से वैश्विक संतुलन की रीढ़ रहे हैं। इस योजना की तैयारी से साफ–साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि यूरोप अब अपनी सैन्य और रणनीतिक ताकत दिखाने के मूड में है।

ब्रिटेन और फ्रांस की अगुवाई में तैयार किया गया प्रस्ताव

द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन और फ्रांस की अगुवाई में एक प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है, जिसके तहत लड़ाई समाप्त होने के बाद समुद्री मार्गों पर भरोसा बहाल करने के लिए एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाया जाएगा। अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि इस पहल में समुद्र में बिछी माइंस को हटाने के अभियान (माइन–क्लियरिंग ऑपरेशन) और नौसेना की तैनाती जैसे कदम शामिल होंगे। हालांकि, अमेरिका, इस्राइल और ईरान जैसे सीधे तौर पर संघर्ष में शामिल देशों को इस गठबंधन से बाहर रखा जाएगा।

मिशन डिफेंसिव होगा– मैक्रों

वहीं इस योजना के बारे में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि यह मिशन डिफेंसिव होगा। यूरोपीय जहाज अमेरिकी कमांड के तहत काम नहीं करेंगे। इसका मकसद शिपिंग कंपनियों को यह भरोसा दिलाना है कि लड़ाई रुकने के बाद वापस लौटना सुरक्षित है। यह प्लान तभी लॉन्च किया जाएगा जब शांति बहाल हो जाएगी। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन–नोएल बैरोट ने कहा कि गठबंधन ईरान और

ओमान सहित स्ट्रेट से सटे देशों के साथ सहयोग करेगा। इससे पता चलता है कि किसी भी डिप्लॉयमेंट के लिए तेहरान की मंजूरी की जरूरत हो सकती है।

कौन निभाएगा अहम भूमिका?

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस योजना में जर्मनी से एक अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है। बर्लिन लंबे समय से विदेशी मिलिट्री ऑपरेशन को लेकर सतर्क रहा है। लेकिन अधिकारियों का कहना है कि वह जहाज और सर्विलांस एसेट्स दे सकता है, जिससे मिशन और भी अहम हो जाएगा। इस प्लान के तीन मुख्य मकसद हैं। पहला, लॉजिस्टिक्स तैयार करना ताकि स्ट्रेट में फंसे सैकड़ों जहाज निकल सकें। दूसरा, लड़ाई की शुरुआत में ईरान द्वारा पानी के रास्ते के कुछ हिस्सों में माइनिंग करने के बाद बड़े पैमाने पर डीमाइनिंग करना। तीसरा, सुरक्षित रास्ता सुनिश्चित करने के लिए नेवल एस्कॉर्ट्स और सर्विलांस तैनात करना।

यूरोप के पास अमेरिका के मुकाबले मजबूत क्षमता

विश्लेषकों का मानना है कि डीमाइनिंग में समय लगेगा। यूरोप के पास अमेरिका के मुकाबले ऐसी ज्यादा क्षमता हैं, जिसने अपने माइनस्वीपिंग फ्लीट को कम कर दिया है। सीजफायर के बाद भी, इंश्योरेंस कंपनियों और शिपर्स को भरोसा दिलाने के लिए पश्चिमी नेवी की मौजूदगी की जरूरत पड़ सकती है। यूरेशिया समूह के मुजतबा रहमान ने कहा कि जहाजों की सुरक्षा के लिए किसी न किसी पॉइंट पर एस्कॉर्ट सिस्टम या किसी कॉन्वॉय की जरूरत होगी। यह प्लान कुछ हद तक रेड सी में यूरोपीय संघ के ऑपरेशन एस्पाइड्स पर आधारित है। उस मिशन ने हूती हमलों से कमर्शियल जहाजों की सुरक्षा के लिए नेवी एस्कॉर्ट्स को सहयोग किया था।

अमेरिकी ऑपेरेशन से अलग होगी कोशिश

गौरतलब है कि होर्मुज की कोशिश उस इलाके में पहले से तैनात अमेरिका के नेतृत्व वाले बड़े ऑपरेशन से अलग होगी। यह प्रस्ताव यूरोप और वाशिंगटन के बीच बढ़ते मतभेदों के बीच आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय सहयोगियों से जबरदस्ती स्ट्रेट को फिर से खोलने में मदद करने की अपील की है। हालांकि, यूरोपीय नेताओं ने इसका विरोध किया और चेतावनी दी कि इस तरह के कदम से लड़ाई बढ़ सकती है और जहाजों को मिसाइल का खतरा हो सकता है। दूसरी ओर अधिकारियों ने कहा कि चीन और भारत को बातचीत के लिए बुलाया गया है, हालांकि यह साफ नहीं है कि वे इसमें हिस्सा लेंगे या नहीं। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया का लगभग पांचवां हिस्सा तेल ले जाता है। कोई भी रुकावट ग्लोबल एनर्जी मार्केट पर असर डालती है, जिसमें भारत जैसे बड़े इंपोर्टर भी शामिल हैं। यह प्लान एक बड़े बदलाव को दिखाता है। अमेरिका की लंबे समय की मिलिट्री लीडरशिप पर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में यूरोपीय देश ज्यादा सुरक्षा जिम्मेदारी लेने की तैयारी कर रहे हैं, खासकर जरूरी ट्रेड मार्ग पर।– आईएएनएस

# अमेरिका के खिलाफ जंग में चीन ने की थी मदद, ईरान ने सैटेलाइट की मदद से दुश्मन के ठिकानों पर बरसाए बम

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में हालिया युद्ध के बीच ईरान की सैन्य क्षमताओं को लेकर एक अहम और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने गुप्त रूप से चीन से एक जासूसी सैटेलाइट हासिल किया, जिसके जरिए उसने पूरे क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों की निगरानी की और हमलों के लिए रणनीतिक जानकारी जुटाई।

फाइनेंशियल टाइम्स की बुधवार को प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, TEE–01B नाम का यह सैटेलाइट चीनी कंपनी अर्थ आई को. द्वारा तैयार किया गया और चीन से ही लॉन्च किया गया था। इसे 2024 के अंत में ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की एयरोस्पेस फोर्स ने अपने नियंत्रण में लिया।

लीक हुए ईरानी दस्तावों में क्या आया सामने?

रिपोर्ट में लीक हुए ईरानी सैन्य दस्तावेजों का हवाला देते हुए बताया गया है कि आईआरजीसी के कमांडरों ने इस सैटेलाइट को सीधे निर्देश देकर पश्चिम एशिया में मौजूद प्रमुख अमेरिकी सैन्य ठिकानों की निगरानी करवाई। दस्तावेजों में समय–चिह्नित कोऑर्डिनेट्स, सैटेलाइट इमेजरी और ऑर्बिटल

ईरान में जंग पर रिपोर्ट
ड्रैगन की मदद से अमेरिका पर प्रहार

- ईरान को चीन ने दिया TEE-01B जासूसी सैटेलाइट।
- IRGC के अफसर अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर रख रहे थे नजर।
- पश्चिम एशिया में टकराव के बीच लीक हुए दस्तावेजों से योजनाबद्ध हमले का खुलासा।

एनालिसिस शामिल हैं, जिनसे यह संकेत मिलता है कि निगरानी बेहद व्यवस्थित और योजनाबद्ध तरीके से की गई।

बताया गया है कि सैटेलाइट से ली गई तस्वीरें मार्च महीने में उन ठिकानों की हैं, जहां ड्रोन और मिसाइल हमले हुए थे। रिपोर्ट के अनुसार, हमलों से पहले और बाद की तस्वीरों का विश्लेषण भी किया गया, जिससे यह समझा जा सके कि हमले कितने प्रभावी रहे। हालांकि, रॉयटर्स इस रिपोर्ट की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सका है, जिससे इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है।

ईरान और चीन के बीच क्या हुआ समझौता?

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस समझौते के तहत ईरान को बीजिंग स्थित सैटेलाइट कंट्रोल और डेटा सर्विस देने वाली कंपनी एम्पोसैट के कमर्शियल ग्राउंड स्टेशनों तक पहुंच भी दी गई। इन ग्राउंड स्टेशनों का नेटवर्क एशिया, लैटिन अमेरिका और अन्य क्षेत्रों तक फैला हुआ है, जिससे सैटेलाइट संचालन और डेटा ट्रांसमिशन में ईरान को बड़ी तकनीकी बढ़त मिली।

सैटेलाइट से किन ठिकानों की तस्वीरें ली गई?

सैटेलाइट द्वारा ली गई तस्वीरों में सऊदी अरब का प्रिंस सुल्तान एयर बेस प्रमुख रूप से शामिल है, जिसकी तस्वीरें 13, 14 और 15 मार्च को ली गई थीं। 14 मार्च को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की थी कि इस एयर बेस पर मौजूद अमेरिकी विमानों को हमले में नुकसान पहुंचा।

इसके अलावा, सैटेलाइट ने जॉर्डन के मुवफ्फाक साल्टी हवाई अड्डा, बहरीन की राजधानी मनामा के पास स्थित अमेरिकी पांचवें बेड़े के ठिकाने के आसपास के क्षेत्र, और इराक के एरबिल एयरपोर्ट के आसपास भी निगरानी की। इन सभी स्थानों पर उसी समय के आसपास ईरान की ओर से हमलों के दावे किए गए थे।

इस पूरे घटनाक्रम पर अब तक व्हाइट हाउस, सीआईए, पेंटागन, चीन के विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय, अर्थ आई को. व एम्पोसैट की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

### विमान बदला, बस और ट्रेन से पहुंचे तेहरान, वार्ता के बाद ईरानी नेताओं को मारने की थी साजिश?, जानें कौन था शामिल

तेहरान, एजेंसी। इस्लामाबाद में अमेरिका के साथ शांति वार्ता के बेनतीजा रहने के बाद तेहरान लौट रहे ईरानी प्रतिनिधिमंडल को गंभीर सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ा था। ईरानी राजनीतिक विश्लेषक मोहम्मद मरांदी ने लेबनानी समाचार आउटलेट अल–मयादीन को बताया कि बहुत सावधानी बरतते हुए ईरानी

ईरान का बड़ा दावा
प्रतिनिधिमंडल पर हमले की थी धमकी

विदेश मंत्री अब्बास अराघची और संसद अध्यक्ष मोहम्मद–बाकेर गालिबाफ सहित प्रतिनिधिमंडल ने बीच रास्ते में ही अपना जहाज बदल दिया था। मोहम्मद मरांदी ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने जहाज बदलने के साथ ही बस और ट्रेन से तेहरान पहुंचने का वैकल्पिक रास्ता अपनाया था। ईरानी प्रतिनिधिमंडल के साथ तेहरान विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मरांदी भी इस्लामाबाद गए थे। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद जाते समय हमें सीधे तौर पर धमकी मिली थी कि हमारे विमान पर हमला हो सकता है। प्रोफेसर मरांदी ने खुलासा किया कि इसी वजह से तेहरान लौटते समय प्रतिनिधिमंडल ने खुफिया तरीके से अपना विमान बदल लिया था। मरांदी ने अल–मयादीन से कहा, ष्हम अमेरिका पर भरोसा नहीं करते हैं और हम युद्ध के अगले दौर की तैयारी में भी बहुत व्यस्त हैं। उन्होंने आगे कहा कि ईरान हमेशा से जानता था कि अमेरिका धोखेबाज है। उन्होंने कहा कि ईरानी शासन जब कूटनीति की मेज पर बातचीत करने के साथ ही अपनी सैन्य क्षमताओं को भी मजबूत कर रहा है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कहा है कि अगले दो दिनों में फिर से पाकिस्तान में शांति वार्ता हो सकती है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत फिर से शुरू होने का दावा किया गया है।

### अमेरिका को मिला आईएईए का साथ, कहा- ईरान के परमाणु कार्यक्रम की पूरी तरह से होनी चाहिए जांच

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका और ईरान के संभावित समझौते को लेकर एक अहम शर्त सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने स्पष्ट कहा कि किसी भी समझौते में ईरान के परमाणु कार्यक्रम की बेहद विस्तृत और सख्त निगरानी व्यवस्था शामिल करना जरूरी होगा।

# अंडमान के समुद्र में नाव डूबी, 250 लापता की तलाश जारी, कई रोहिंग्या-बांग्लादेशी भी शामिल

अंडमान, एजेंसी। अंडमान सागर में रोहिंग्या शरणार्थियों और बांग्लादेशी नागरिकों को ले जा रही एक नौका के पलटने से लगभग 250 लोगों के लापता होने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने मंगलवार को इस दुखद घटना की पुष्टि की है।

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) ने एक बयान में कहा कि यह नौका दक्षिणी बांग्लादेश के टेक्नाफ से मलेशिया के लिए रवाना हुई थी। भारी हवाओं, उबड़–खाबड़ समुद्र और अत्यधिक भीड़भाड़ के कारण यह नौका डूब गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नौका में लगभग 280 लोग सवार थे और इसने चार अप्रैल को बांग्लादेश छोड़ा था।

अंडमान सागर में बड़ा हादसा

- बांग्लादेश के टेक्नाफ से मलेशिया जा रही थी नाव।
- महिलाओं, बच्चों, चालक दल के सदस्यों और संदिग्ध तस्करों सहित लगभग 300 लोग थे सवार।
- खराब मौसम, तेज हवाओं और अत्यधिक भार के कारण अंडमान में डूबे लोग।
- 250 से अधिक लापता लोगों की तलाश कर रही राहत-बचाव एजेंसियां।

लापता लोगों में बड़ी संख्या में रोहिंग्या

हादसे में लापता लोगों में कई बच्चे भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि बोट पर बड़ी संख्या में रोहिंग्या सवार थे। संभावना है कि इस नौका में सवार रोहिंग्या शरणार्थी बांग्लादेश के कॉक्स बाजार में स्थित विशाल शिविरों से भागने की कोशिश कर रहे थे, जहां म्यांमार के रखाइन प्रांत से विस्थापित एक मिलियन से अधिक शरणार्थी दयनीय परिस्थितियों में रह रहे हैं।

बचाव अभियान में जिंदा बचाए गए नौ लोग

बांग्लादेश तटरक्षक बल (ठब्ब) ने बताया कि नौ अप्रैल को इंडोनेशिया जा रहे उसके एक जहाज ने समुद्र से नौ लोगों को बचाया, जिनमें एक महिला भी शामिल थी। ठब्ब के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कमांडर सब्बीर आलम सुजान ने एएफपी को बताया कि बांग्लादेशी ध्वजवाहक एम.टी. मेघना प्राइड ने अंडमान द्वीपों के पास गहरे पानी में कुछ लोगों को तैरते हुए देखा और उन्हें बचाया। बचाए गए लोगों को बाद में बांग्लादेश तटरक्षक बल के गश्ती जहाज मंसूर अली को सौंप दिया गया।

बचने वालों ने सुनाई आपबीती

बचाए गए लोगों में से एक रफीकुल इस्लाम (40) ने अपनी दर्दनाक आपबीती सुनाई। उन्होंने बताया कि तस्करों ने उन्हें मलेशिया में नौकरी का वादा करके नौका पर चढ़ाया था। उन्हें टेक्नाफ के एक घर में 20–25 अन्य लोगों के साथ अमानवीय परिस्थितियों में रखा गया था। रफीकुल ने बताया कि नौका चार दिन यात्रा करने के बाद पलट गई और वे लगभग 36 घंटे तक समुद्र में तैरते रहे, जब तक कि उन्हें बचा नहीं लिया गया।


प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।